Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 252
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-शुक्रवार,09 जनवरी 2026 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

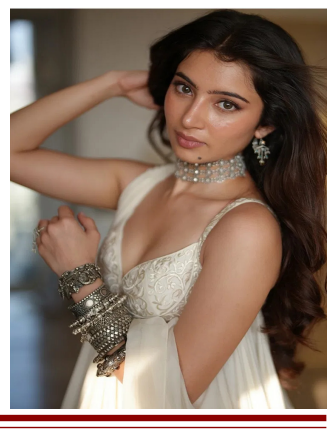

3 वीबी-जी राम जी मजदूरों, किसानों और गांवों के

4 पर्वों का संगम: जीवन में सहज-सजग शुरूआत का

5 सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर पीएम मोदी ने असंख्य सपूतों को किया स्मरण

देशवासियों से की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बृहस्पतिवार से शुरू होने वाला सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जय सोमनाथ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरूआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने अपने इतिहास का पहला आक्रमण झेला था। साल 1026 का आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके। बल्कि इनसे भारत की सांस्कृतिक एकता की भावना और सशक्त हुई और सोमनाथ का बार-बार पुनरोद्धार होता रहा। प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की कुछ तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि अगर वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें हैशटैग सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के साथ जरूर साझा करें। मोदी ने कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का यह अवसर, भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। समय कितना ही कठिन और भयावह क्यों ना रहा हो, उनका संकल्प हमेशा अडिग रहा। उन्होंने कहा, मैं 31 अक्टूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित एक कार्यक्रम की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं। यह वह साल था, जब हमने 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया था। 1951 में यह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की मौजूदगी में संपन्न हुआ था।मोदी ने कहा, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल और केएम मुंशी के साथ ही कई महान विभूतियों के प्रयास अत्यंत उल्लेखनीय रहे हैं। वर्ष 2001 के इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल जी (अटल बिहारी वाजपेयी) और गृह मंत्री आडवाणी जी (लालकृष्ण आडवाणी) और कई गणमान्य लोग शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2026 में हम 1951 में हुए भव्य समारोह के 75 वर्ष पूर्ण होने का भी स्मरण कर रहे हैं!

अंकिता भंडारी के माता-पिता से मिले धामी ,बेटी को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता:धामी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड पुलिस ने 2022 के अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े एक ऑडियो क्लिप को लेकर उठे विवाद के मद्देनजर पूर्व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक सुरेश राठौर की पत्नी अभिनेत्री उर्मिला सनावर से पूछताछ की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने एएनआई को बताया कि पुलिस ने उर्मिला सनावर के बयान दर्ज कर लिए हैं, जिन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड में एक वीआईपी का नाम लेकर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी थी। एसएसपी ने बताया कि देहरादून के नेहरू कॉलोनी और दलनवाला पुलिस स्टेशनों में उर्मिला के खिलाफ दर्ज मामलों में पुलिस ने उनसे पूछताछ की है और उनके बयान दर्ज किए हैं। उन्होंने आगे बताया कि उर्मिला द्वारा खुद सोशल मीडिया पर वायरल किए गए वीडियो के अलावा पुलिस को अभी तक कोई अन्य सबूत नहीं मिला है। एसएसपी ने यह भी बताया कि जांच अधिकारियों ने उर्मिला के बयानों की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग भी कर ली है। सनावर के खिलाफ देहरादून और हरिद्वार के कई पुलिस स्टेशनों में विभिन्न धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इससे पहले उर्मिला सनावर को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बहादराबाद पुलिस स्टेशन में उर्मिला सनावर और सुरेश राठौर के खिलाफ भाजपा नेता की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

होटल के कमरे में किया यौन उत्पीड़न,नाबालिग शूटर ने नेशनल कोच पर लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चौंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉस्को अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा, उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी।

श्रीनगर में रिकॉर्ड तोड़ ठंड...जम्मू-कश्मीर - लेह लद्दाख में जमी जिंदगी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भीषण शीतलहर की चपेट में हैं। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में कई जगहों पर मौसम का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थल और ऊंचे इलाके सबसे सर्द रहे। सोनमर्ग में सबसे कम तापमान-9.8त्सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद गुलमर्ग में -9.2त सेल्सियस और पहलगाम में -8.6त्सेल्सिसय रहा। शोपियां में भी तापमान -7.8त्ब रहा। मौसम विभाग ने बताया कि ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर का तापमान -5.1त्सेल्सियस रहा, जो पिछली रात के -1.6त्सेल्सियस से काफी कम है, जो एक महत्वपूर्ण गिरावट है। जम्मू क्षेत्र के मैदानी इलाकों में भी तापमान में गिरावट देखी गई, हालांकि अधिकांश स्टेशनों पर तापमान जमाव बिंदु से ऊपर रहा। शीतकालीन राजधानी जम्मू में न्यूनतम तापमान 7.1 सेल्सियस दर्ज किया गया।

एनएसए अजीत डोभाल करेंगे उद्घाटन, पीएम सहित शामिल होंगी कई नामचीन हस्तियां

नईदिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल दस जनवरी को युवा मामले और खेल मंत्रालय के 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबी वाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में देशभर से दो हजार से ज्यादा प्रतिभागी अलग-अलग विषयों पर चर्चा करेंगे। इस आयोजन में खेल जगत की नामचीन हस्तियां भी युवाओं का मार्गदर्शन करेंगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर 11 जनवरी को एक विशेष चर्चा (फायरसाइड चैट) में मौजूद रहेंगी। वहीं, बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद और टेनिस स्टार लिएंडर पेस प्रतिभागियों के साथ समूह चर्चा (ग्रुप डिस्कशन) का हिस्सा होंगे। शुक्रवार को सभी प्रतिनिधि एक ओरिएंटेशन सत्र में भाग लेंगे। इसके अलावा, वे दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा भी करेंगे।

सीएम ने लगाया जनता दर्शन, एक-एक कर सुनी 150 लोगों की फरियाद

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। उन्होंने कहा कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज के लिए तुरंत धन उपलब्ध कराए।

सुप्रीम कोर्ट में कुत्तों के लिए माइक्रोचिपिंग का सुझाव

वकील ने कहा- ये महंगा नहीं पड़ेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मामले में फिर से सुनवाई शुरू हो गई है। जस्टिस विक्रमनाथ ,जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही है। कुत्तों पर सुनवाई के दौरान आज भी दिलचस्प दलीलें सामने आईं। वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने कहा कि जब कुत्तों को अचानक हटाया जाता है तो चूहों की आबादी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि वो तो बीमारी फैलाने वाले होते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं।कोर्ट इस मामले में सभी पक्षकारों- डाग लवर्स, कुत्तो काटने के शिकार लोगों , एनिमल राइट एक्टिविस्ट की ओर से पेश वकीलो की दलीलें विस्तार से सुन रहा है।एडवोकेट नकुल दीवान ने सुप्रीम कोर्ट को ट्रैप, न्यूटर और रिलीज मॉडल का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कुत्तों के स्वभाव को देखते हुए यह जरूरी है कि उन्हें उसी जगह वापस छोड़ा जाए, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। दीवान ने यह भी कहा कि बेंगलुरु में कुत्तों की माइक्रो-चिपिंग शुरू हो गई है और यह महंगा नहीं है।सीनियर एडवोकेट नकुल दीवान ने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने की बात कही। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि श्कम्युनिटी कुत्तोंश की बढ़ती तादाद पर रोक लगाने की जरूरत है। दीवान ने कहा कि यह ऐसी समस्या नहीं है, जिसे एक दिन में खत्म किया जा सकता है। हमें कम्युनिटी कुत्तों की बढ़ती संख्या को कम करने की जरूरत है। हम ऐसी स्थिति भी नहीं चाहते, जहां हमारे पास कानून हो, लेकिन उसे लागू न करने की वजह से हमें कोई सख्त कदम उठाना पड़े।सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आवारा कुत्तों के मामले में आगे की दलीलें सुनीं, जिसमें वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने तर्क दिया कि यह मुद्दा कुत्तों से आगे बढ़कर सभी आवारा जानवरों तक फैला है और इसके लिए एक संतुलित नजरिए की जरूरत है। एडवोकेट ने कोर्ट को बताया कि किसी इलाके से कुत्तों को अचानक हटाने से अक्सर अनचाहे नतीजे निकलते हैं, जिसमें चूहों और बंदरों की आबादी में तेजी से बढ़ोतरी शामिल है। उन्होंने कहा कि चूहे, जो कई बीमारियां फैलाते हैं, कुत्तों की मौजूदगी से कंट्रोल में रहते हैं, और चेतावनी दी कि अचानक दखल देने से यह संतुलन बिगड़ सकता है।

भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाए... नकली वोट बनाने वालों पर एफआईआर हो

अखिलेश यादव ने लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अभी तक जिस एसआईआर से पूरा देश परेशान था अब उससे भाजपा के लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाया है। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।अखिलेश यादव प्रदेश में एसआईआर के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई कच्ची मतदाता सूची पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, वोट बढ़ाने का बीजेपी के लोग दवाब बनाएंगे क्योंकि उनका वोट कट गया है। उन्होंने फर्जी वोट बनाए थे। इसका मतलब फर्जी वोट डाले गए हैं और सबसे ज्यादा वोट बीजेपी के बूथों पर निकले हैं। जिस एसआईआर से ये पूरे देश को परेशान कर रहे थे मैं उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं आज एसआईआर से बीजेपी परेशान है और इसलिए गुपचुप बैठक कर रहे हैं...इन लोगों ने 1 करोड़ वोट बढ़वाया है...अब तो सवाल उन पर खड़े हो गए हैं...जो नकली वोट बना रहे हैं उनके खिलाफ एफआईआर हो। 6 मार्च को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत जारी की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची को लेकर उठ रही आपत्तियों और शिकायतों का प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जवाब दे रहे हैं। वे लिखते हैं कि एसआइआर का अभी केवल प्रारंभिक चरण पूरा हुआ है। 6 मार्च को जारी अंतिम मतदाता सूची ही निर्णायक होगी। सीईओ ने एक्स पर कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल की आपत्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम होना या न होना निर्णायक नहीं है।

ईडी रेड के बीच पहुंची ममता ने लगाया आरोप, कहा- आंतरिक दस्तावेज ले जाने की कोशिश कर रहे थे अधिकारी

कोलकता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी यहां आई-पीएसी प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर तलाश अभियान के दौरान तृणमूल कांग्रेस की हार्ड डिस्क, आंतरिक दस्तावेज और संवेदनशील संगठनात्मक डाटा जब्त करने का प्रयास कर रहे थे। बनर्जी ने जैन के आवास पर हुई छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक बताया। आई-पीएसी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आईटी सेल की जिम्मेदारी भी संभालता है। बनर्जी ने जैन के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास से बाहर निकलने के बाद ये आरोप लगाए, जहां बृहस्पतिवार सुबह से ही तलाश अभियान जारी है। जैन के नेतृत्व वाली फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के कार्यालय में भी तलाश अभियान चलाया जा रहा है। बनर्जी ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय सत्तारूढ़ पार्टी की आंतरिक रणनीति, उम्मीदवारों की सूचियां और गोपनीय डिजिटल सामग्री तक पहुंचने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी का किसी भी वित्तीय जांच से कोई संबंध नहीं है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला करते हुए पूछा, वे हमारी पार्टी की हार्ड डिस्क, रणनीति और योजनाओं को चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

गाडगिल एक राष्ट्र निमार्ता थे और सार्वजनिक नीति पर उनका प्रभाव गहरा था: जयराम रमेश

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को प्रख्यात पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनकी सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र निमार्ता बताया जिनका सार्वजनिक नीति पर गहरा प्रभाव था। गाडगिल पश्चिमी घाटों पर अपने कार्य के लिए जाने जाते थे। उनका पुणे में निधन हो गया। परिवारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि वह कुछ समय से बीमार थे। सूत्रों के अनुसार, 83 वर्षीय गाडगिल ने बुधवार रात देर को पुणे के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। रमेश ने गाडगिल को एक उत्कृष्ट अकादमिक वैज्ञानिक, क्षेत्र विशेष पर निरंतर शोध करने वाला, एक अग्रणी संस्था निमार्ता, उत्कृष्ट संप्रेषक, लोगों के नेटवर्क और आंदोलनों में दृढ़ विश्वास रखने वाला बताया। कांग्रेस नेता ने उनकी सराहना करते हुए उन्हें पांच दशकों से अधिक समय तक कई लोगों का मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक और संरक्षक बताया। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, आधुनिक विज्ञान के बेहतरीन विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षित होने के बावजूद वह पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों खासकर जैव विविधता संरक्षण के प्रबल समर्थक थे।

जनता जिसे चाहेगी, आप उसे टिकट देगी :केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं। लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है। केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। आपको टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिल सकता है। केजरीवाल उसी को टिकट देंगे जिसे जनता पसंद करती है। आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन-केंद्रित शासन के लिए किया गया था। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी जी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर जी के नाम का दुरुपयोग करने के लिए भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग की, जिसे उन्होंने शर्मनाक कृत्य बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, मान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आतिशी जी के उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने ₹कभी नहीं बोले₹ और गुरु तेग बहादुर जी का नाम गलत तरीके से जोड़कर पूज्य सिख गुरु का अपमान किया है। पोस्ट में लिखा था कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से पंजाब और सिखों के खिलाफ रही है। आज फिर से उसका पंजाब विरोधी और सिख विरोधी चेहरा सामने आ गया है, जब उन्होंने आतिशी जी के वीडियो में उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने बोले तक नहीं थे और उसमें गुरु साहब का नाम जोड़कर गुरु साहब का अपमान किया है। इस शर्मनाक कृत्य के लिए भाजपा को सिख समुदाय और पंजाबियों से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री मान की ये टिप्पणी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उठे राजनीतिक विवाद के बीच आई है।

रेल मंत्री 100 रेलवे अधिकारियों को 26 शील्ड प्रदान करेंगे

गोरखपुरः भारतीय रेल, संगठन में अपनी बेहतरीन सेवा और उत्कृष्ट योगदान के लिए 100 कर्मठ कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रतिष्ठित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित करने जा रहा है। पुरस्कार समारोह का आयोजन 9 जनवरी, 2026 को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में किया जाएगा।रेलवे, सूचना और प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव, चयनित रेलवे कर्मचारियों को 70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान करेंगे।इस समारोह में रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री, श्री वी. सोमन्ना, रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, श्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री सतीश कुमार, साथ ही रेलवे बोर्ड के सदस्य और विभिन्न रेल मंडलों और प्रोडक्शन यूनिट के माह प्रबंधक शामिल होंगे। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 के लिए नवाचार, संचालन दक्षता, सुरक्षा, संरक्षा, राजस्व वृद्धि, परियोजना को समय पर पूरा करने, खेल में बेहतरीन प्रदर्शन और सेवा के अन्य खास क्षेत्रों में योगदान करने वाले 100 लोगों का चयन किया गया है। नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देना 17 अधिकारियों और कर्मचारियों को नवाचार, प्रक्रिया शुरू करने के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे उत्पादकता में सुधार होगा, खर्च में कमी आएगी, आयात कम होगा और संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल होगा। परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे में दक्षता में वृद्धि होगी। बहादुरी और निस्वार्थ सेवा का सम्मान 22 रेल कर्मचारियों और अधिकारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना किए गए निःस्वार्थ और सराहनीय सेवा व सुरक्षा कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप जीवन और रेलवे संपत्ति की रक्षा हुई, और सार्वजनिक सेवा के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण का उदाहरण पेश किया गया। राजस्व वृद्धि और सतर्कता 14 अधिकारियों और कर्मचारियों को रेलवे की आय में वृद्धि करने और बिना टिकट यात्रा, चोरी और अन्य कदाचारों से प्रभावी ढंग से निपटने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा और राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। परिचालन उत्कृष्टता और संपत्ति संरक्षण 19 कर्मचारियों और अधिकारियों को परिचालन में सुधार, सुरक्षा और संरक्षा बढ़ाने, बेहतर रखरखाव प्रथाओं को सुनिश्चित करने और रेलवे संपत्तियों के सर्वोत्तम उपयोग और संरक्षण को बढ़ावा देने में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। बड़ी परियोजना का समय पर पूरा होना 16 अधिकारियों और कर्मचारियों को रिकॉर्ड समय में महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे बुनियादी ढांचे को विस्तार देने, क्षमता बढ़ाने और बेहतर संचालन प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन 10 अधिकारियों और कर्मचारियों को परिभाषित श्रेणियों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा, जो भारतीय रेलवे के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में पेशेवर उत्कृष्टता, समर्पण और प्रभावशाली योगदान को दशार्ता है। बेहतरीन खेल प्रदर्शन का भी सम्मान रेलवे अपने 2 खिलाड़ियों को भी अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 से सम्मानित करेगा, जिन्होंने खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है और भारतीय रेलवे का नाम रोशन किया है। व्यक्तिगत सम्मान से परे व्यक्तिगत सम्मान के अलावा, अलग-अलग श्रेणियों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले रेल मंडलों को 26 शील्ड प्रदान किए जाएंगे, जो उनकी शानदार उपलब्धियों और कुल मिलाकर बेहतरीन प्रदर्शन को पहचान देंगे। सम्मानित होने वालों में ऐसे रेल कर्मचारी शामिल हैं जिन्होंने महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान सुरक्षित और बिना किसी व्यवधान के रेलवे संचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रेल कर्मियों के विशेष योगदान को भी सम्मान मिलेगा जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में भी रेलवे संचालन और जनता को राहत सुनिश्चित की। साथ ही ऐसे कर्मी भी सम्मानित सोची में हैं जिन्होंने मुश्किल सेक्शन में एडवांस्ड बैलास्ट क्लीनिंग मशीनों को पेश किया, जिससे ट्रैक सुरक्षा, यात्रा की गुणवत्ता और लंबे समय तक रखरखाव की दक्षता में काफी सुधार हुआ। यह पुरस्कार समारोह भारतीय रेलवे के समर्पण, उच्च व्यावसायिकता और अनुकरणीय सेवा को पहचानने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, साथ ही एक सुरक्षित, अधिक कुशल और यात्री-केंद्रित रेल प्रणाली बनाने में अपने कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का उत्सव भी मनाता है।

मेला विशेष गाड़ियों को निम्न तिथियों में निरस्त करने का निर्णय लिया गया है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से माघ मेला के अवसर पर चलने वाली निम्नलिखित मेला विशेष गाड़ियों को निम्न तिथियों में निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

निरस्तीकरण-

-बढ़नी से 19, 20, 21, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05107 बढ़नी-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 20, 21, 22, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04, 17 एवं 18 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05108 प्रयागराज रामबाग-बढ़नी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-बनारस से 19, 20, 21, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05109 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 19, 20, 21, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05110 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 19, 20, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05112 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 20, 21, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05111 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-छपरा से 13, 15, 16, 18, 19, 23, 24, 25, 26 जनवरी तथा 01, 02, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05113 छपरा-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 13, 15, 16, 18, 19, 23, 24, 25, 26 जनवरी तथा 01, 02, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05114 प्रयागराज रामबाग-छपरा मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-छपरा से 13, 15, 16, 18, 19, 21, 23, 30 जनवरी तथा 01, 13 एवं 15 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05005 छपरा-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 14, 16, 17, 19, 20, 22, 24, 31 जनवरी तथा 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05006 झूसी-छपरा मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 16, 18, 21, 23, 30 जनवरी तथा 01, 13 एवं 15 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05002 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 17, 19, 22, 24, 31 जनवरी तथा 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05001 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 09, 10, 11, 12, 13, 20, 21, 25, 26, 27, 28, 29, 30 जनवरी तथा 03, 04, 05, 06, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 14 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05101 झूसी-गाजीपुर सिटी-छपरा-थावे-सीवान-भटनी-मऊ-वाराणसी सिटी-झूसी रिंग रेल मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 20, 21, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05104 झूसी-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-बनारस से 20, 21, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05103 बनारस-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

पांच ट्रक आपस में टकराए चालक व परिचालक घायल

वाराणसी। वाराणसी में घने कोहरे का कहर जारी है। बृहस्पतिवार को दोपहर तक कोहरा छाया रहा। यही वजह है कि घने कोहरे में पांच ट्रकों की आपस में टक्कर हुई, जिसमें चालक व परिचालक घायल हो गए। इसके अलावा दुर्घटना के बाद रिंग रोड पर घंटों भीषण जाम की स्थिति रही। वाराणसी में रिंग रोड लोहता के खेवशीपुर क्षेत्र में घने कोहरे के कारण बृहस्पतिवार तड़के बड़ा हादसा हुआ। कोहरे की वजह से दृश्यता बेहद कम होने पर एक के बाद एक पांच ट्रक आपस में टकरा गए। हादसे में तीन ट्रक चालक और परिचालक घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद रिंग रोड पर ट्रकों की लंबी कतार लग गई, जिससे राजातालाब क्षेत्र में जाम की स्थिति बन गई। जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया गया, जिससे यातायात बहाल हो सका। उधर, प्रशासन ने घने कोहरे को देखते हुए वाहन चालकों से सावधानी बरतने और आवश्यक होने पर ही यात्रा करने की अपील की है।

बिजली राहत योजना में अब सिर्फ 20% की छूट

बस्ती। बिजली बिल राहत योजना के तहत प्रथम चरण में एक दिसंबर 2025 से तीन जनवरी 2026 तक उपभोक्ताओं को 121.78 करोड़ रुपये का छूट मिला है। इसमें 90.10 करोड़ ब्याज और 21.68 करोड़ रुपये मूलधन का शामिल है। इससे 55,561 उपभोक्ताओं को लाभ मिला है। इनसे निगम को कुल 67.78 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है। तीन चरणों में चलाई जा रही इस योजना का प्रथम चरण पूरा हो चुका है।

दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

बस्ती। अतिरिक्त सत्र व विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट की कोर्ट ने बुधवार को अनुसूचित जाति की महिला से दुष्कर्म करने के गांव के ही दोषी भगौती प्रसाद मिश्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 7,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न देने पर आरोपी को तीन माह 10 दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। मामला हर्रैया थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़िता ने 27 नवंबर 1991 को हर्रैया थाने में तहरीर देकर बताया कि उनके मकान के पास आरोपी का घर है।

महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने 12555 का किया ऑन बोर्ड निरीक्षण

गोरखपुर: महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 08 जनवरी,2026 को 12555 गोरखपुर-बठिण्डा गोरखधाम एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान ट्रेन का ऑन बोर्ड निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों को दी जा रही लिनेन का अवलोकन कर उसकी साफ-सफाई तथा रख-रखाव का गहन निरीक्षण किया। उन्होनें कोच अटेंडेंट को लिनेन के बेहतर रख-रखाव सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। महाप्रबंधक ने ट्रेन टिकट परीक्षकों से हैण्ड हेल्ड मशीन की कार्य प्रणाली तथा इससे इनके कार्यो में आये बदलाव के बारे में चर्चा की। श्री बोरवणकर ने प्रसाधनों का गहन निरीक्षण कर जलापूर्ति तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने ऑन बोर्ड हाउस किपिंग सर्विस (ओ.बी.एच.एस.) के कर्मचारियों की आई.डी. चेक की तथा उन्हें कोचों सहित प्रसाधनों एवं स्नैक्स टेबल को नियमित अन्तराल पर साफ करने हेतु निर्देशित किया। महाप्रबंधक ने फायर एवं स्मोक डिटेक्शन सिस्टम का भी निरीक्षण किया तथा इसके लिए ऑन बोर्ड हाउस किपिंग सर्विस (ओ.बी.एच.एस.) के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया। श्री बोरवणकर ने कोच के अन्दर लगे अस्पष्ट स्टीकरों को हटाने का निर्देश दिया तथा आवश्यक एवं जागरूकता वाले स्टीकरों को स्पष्ट तरीके से निश्चित तथा पहुँच वाले जगह पर लगाने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होने यात्रा कर रहे यात्रियों से फीडबैक भी प्राप्त किया।

पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन शीतकाल में निर्बाध एवं सुरक्षित टेज्न परिचालन के लिये प्रतिबद्ध है

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। शीतकाल के दौरान रेल संरक्षा सुनिश्चित करने के लिये पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन निरन्तर सतर्क और सक्रिय है। अधिकारियों द्वारा औचक संरक्षा जांच किया जा रहा है।

इसी क्रम में मंडल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल ने रेल संरक्षा एवं कर्मचारियों की सजगता की जांच के लिये 7/8 जनवरी,2026 की मध्य रात्रि में गोरखपुर-आनन्दनगर रेल खण्ड पर समपार संख्या 11-सी एवं 13-सी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गेटमैन के सतर्कता की जांच की तथा कर्मचारियों से सुरक्षित टेज्न परिचालन के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। जांच के दौरान सभी गेटमैन ड्यूटी पर सतर्क पाये गये। श्री अग्रवाल ने कर्मचारियों को रेल संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये तथा विशेष रूप से शीतकाल में कोहरे की स्थिति में अधिक सतर्कता बरतने पर बल दिया। इस दौरान अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन श्रीमती नीतू एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय श्री गौरव गुप्ता भी उपस्थित थे। इससे पूर्व, 6/7 जनवरी,2026 को रात्रि में मण्डल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल ने गोण्डा-आनन्दनगर के मध्य समपार संख्या 74-सी, 69-सी, 68-सी एवं 66-सी का औचक निरीक्षण कर गेटमैन के सतर्कता की। मण्डल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल ने कहा कि रेल संरक्षा हमारी प्राथमिकता है। औचक निरीक्षणों के माध्यम से हम कर्मचारियों की सजगता सुनिश्चित कर रहे हैं। यात्रियों से अपील है कि वे भी संरक्षा नियमों का पालन करें तथा किसी संदिग्ध स्थिति में तुरन्त रेल अधिकारियों को सूचित करें। शीत ऋतु में गाड़ियों के सुरक्षित संचलन हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा कई विशेष उपाय अपनाये जा रहे हैं। गेटमैनों को अतिरिक्त समर्कता बरतने तथा पटरी पर नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश जारी किये गये हैं। कर्मचारियों की टेजनिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि वे कोहरे में सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित कर सकें। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन शीतकाल में निर्बाध एवं सुरक्षित टेज्न परिचालन के लिये प्रतिबद्ध है।

वार्ड 43 में जमीनी नेता की वापसीः सुदर्शन फूलचंद सोनी के साथ खड़ी नजर आ रही है जनता

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के शोरगुल के बीच वार्ड क्रमांक 43 एक शांत लेकिन निर्णायक बदलाव की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। यहां चुनावी नारों से ज्यादा चर्चा काम, उपलब्धता और भरोसे की हो रही है – और इसी भरोसे का चेहरा बनकर उभरे हैं कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी। सुदर्शन सोनी कोई अचानक उभरा नाम नहीं हैं। वर्षों से वे वार्ड 43 की गलियों, झुग्गी बस्तियों और सोसायटियों में नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहे हैं। पानी की अनियमित आपूर्ति हो या टूटी सड़कें, नालों की गंदगी हो या स्वास्थ्य सेवाओं की कमी – हर मुद्दे पर उन्होंने न केवल आवाज उठाई, बल्कि प्रशासन को जवाबदेह बनाने का प्रयास भी किया। स्थानीय नागरिक मानते हैं कि सुदर्शन सोनी की सबसे बड़ी ताकत उनकी लगातार मौजूदगी है। चुनाव के मौसम से पहले और बाद में भी जनता के बीच रहना, फोन पर उपलब्ध रहना और समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुनना – यही वजह है कि युवा वर्ग, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और अल्पसंख्यक समुदायों में उनके प्रति भरोसा मजबूत होता जा रहा है। कांग्रेस की वैचारिक प्रतिबद्धता और संगठनात्मक अनुभव के साथ सुदर्शन सोनी ने वार्ड 43 के लिए एक स्पष्ट विकास रोडमैप पेश किया है। बेहतर सड़कें, नियमित जलापूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं और युवाओं के लिए रोजगार से जुड़ी पहल उनके प्रमुख वादों में शामिल हैं। वार्ड 43 में उभरते चुनावी संकेत साफ बता रहे हैं कि इस बार जनता दिखावे से ज्यादा जमीनी काम को प्राथमिकता दे रही है। ऐसे माहौल में सुदर्शन फूलचंद सोनी एक ऐसे प्रत्याशी के रूप में सामने आ रहे हैं, जिन पर लोग दोबारा भरोसा जताने को तैयार नजर आ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

रुपये हड़पने के आरोप में बहन-बहनोई पर एफआईआर

संवाद न्यूज एजेंसी कप्तानगंज (बस्ती)। विधवा बहन का रुपये हड़पना एक दंपती को महंगा पड़ गया। बहन ने सगी बहन और उसके पति बहनोई पर बुधवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना क्षेत्र के राजाजोत कला गांव की रहने वाली सुनीता वर्मा की शादी हरैर्या थानां क्षेत्र के महुआपार गांव निवासी शेषराम के हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही सुनीता के पति की मौत हो गई। सुनीता ने तहरीर में आरोप लगाया है कि बहन और उसके पति ने जमीन खरीदने के लिए 15 लाख रुपये तीन साल पहले लिए थे। दोनों न जमीन खरीदा और न ही रुपये वापस कर रहे हैं। रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुनीता की बड़ी बहन गायत्री देवी और उनके पति अमर नाथ निवासी सुकरौली चौधरी थाना पैकोलिया पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

कप्तानगंज चौराहे पर फ्लाईओवर नहीं

कप्तानगंज। कप्तानगंज चौराहे के फोरलेन पर फ्लाईओवर बनने का मुद्दा चुनावी सभाओं तक ही सिमट कर रह गया। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को जोखिम में डालकर सड़क पार करना पड़ रहा है। कप्तानगंज चौराहे पर अब तक सड़क पार करते वक्त कई लोगों की जान जा चुकी है। उसके बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नही हो रहा है। फोरलेन के बस्ती-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर जनपद मुख्यालय से 15 किलोमीटर पर बसा कप्तानगंज कस्बा जिले के प्रमुख कस्बों के रूप में जाना जाता है। कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में फोरलेन सड़क बने कई साल गुजर गए लेकिन कप्तानगंज का फ्लाईओवर बनवाने का किसी भी ने प्रयास नहीं किया। इस रास्ते आंबेडकरनगर, सुल्तानपुर और अयोध्या जिले के लोग भी शेरवा घाट से, पंडुल घाट के रास्ते कप्तानगंज से होकर बस्ती और हरैर्या जाते हैं। कस्बे के रघुनाथ चौधरी, विकल्प तिवारी, अमरदेव सिंह, अनूप मिश्रा ने बताया कि फोरलेन के निर्माण के समय ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और एनएचएआई के अधिकारियों से फ्लाईओवर बनवाने की मांग की गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। एनएचएआई के सहायक प्रोजेक्ट मैनेजर अभय सिंह ने बताया कि कप्तानगंज चौराहे पर फोरलेन की स्वीकृति हो गई है जल्द ही कार्य शुरू किया जएगा।

अनुपस्थित मिले दो सफाईकर्मी निलंबित

बस्ती। अनुशासनहीनता और तैनाती स्थल पर बिना बताए गायब रहने के आरोप में दो सफाई कर्मियों को डीपीआरओ घनश्याम सागर ने निलंबित कर दिया है। दोनों निलंबन ब्लॉक गौर के राजस्व ग्राम बेलघाट में तैनात सफाई कर्मी कमलेश कुमार और सफाई कर्मी जयहिंद का हुआ। इन पर तैनाती स्थल पर आदेश के बावजूद न जाने और बिना किसी पूर्व सूचना के एडीपीआरओ के निरीक्षण के समय 24 दिसंबर को गायब रहने का आरोप है। डीपीआरओ ने एडीओ पंचायत रुधौली और एडीओ पंचायत बहादुरपुर को जांच अधिकारी बनाया गया है।

महिला अस्पताल के सीएमएस पर 25 हजार का जुमार्ना

बस्ती। आरटीआई के तहत मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं कराने पर राज्य सूचना आयोग ने महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। इस धनराशि की कटौती सीएमएस के वेतन से तीन माह तक की जाएगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य सूचना आयुक्त को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता भानु प्रताप चतुर्वेदी ने आरटीआई के तहत महिला अस्पताल में मेडिकल उपकरणों की खरीदारी में हुई हेराफेरी पर सीएमएस से जानकारी मांगी थी, लेकिन उन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया। जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने राज्य सूचना आयोग में प्रार्थनापत्र दिया।

अमृत भारत 22, दरभंगा-नई दिल्ली क्लोन 12 घंटे देर से आई

बस्ती। भीषण ठंड में कोहरे का असर एक्सप्रेस ट्रेनों पर आए दिन देखने को मिल रहा है। कई एक्सप्रेस ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी विलंब से चल रही हैं। इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। ट्रेनों के लेट होने से यात्रियों को रातभर प्लेटफॉर्म पर ट्रेन के इंतजार में बैठना पड़ रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के बस्ती के रास्ते बुधवार को जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित समय से 22 घंटे की देरी से चल रही है। इस ट्रेन को बस्ती रेलवे स्टेशन पर रात 2:56 बजे आने का समय था। लेट होने से यह ट्रेन अब बृहस्पतिवार की रात एक 1:21 बजे आने की संभावना है। दरभंगा नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 12 घंटे, नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 3 घंटे, बरौनी नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 12:30 घंटे, अयोध्या-भटनी मेमो पैसेंजर अपने निर्धारित समय से 3:30 घंटे की देरी से चल रही है। स्टेशन पर ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे यात्री संदीप कुमार व महिला यात्री उर्मिला देवी ने बताया कि अमृत भारत एक्सप्रेस से दिल्ली तक की यात्रा करनी है। आधी रात से भीषण ठंड में ट्रेन के इंतजार में स्टेशन पर बैठे हैं। लेकिन ट्रेन इतना लेट होती जा रही है, कि परिवार के लोग यात्रा कैंसिल कर घर वापस बुला रहे हैं। अब कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। क्योंकि पहले से रिजर्वेशन कराया गया था। यात्रियों ने बताया कि मोबाइल और पूछताछ हा काउंटर पर ट्रेन की जानकारी लेटे-लेटे थक गए हैं। एनईआर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि कुछ जगहों पर भीषण कोहरे का असर है। जिससे ट्रेनों को लेट होना पड़ रहा है। रेलवे प्रशासन की ओर से लगातार ट्रेनों को समय से चलने का प्रयास किए जा रहा है।

पूर्व मंत्री अमर मणि मामले की सुनवाई आज

बस्ती। शहर के व्यापारी धर्मराज गुप्ता के बेटे राहुल मद्धेशिया के अपहरण के आरोपी पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी के मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को एमपी-एमएएल कोर्ट में होगी। इस मामले में 22 गवाह हैं। अब तक 11 गवाहों की गवाही हो चुकी है। 12वें गवाह से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिरह होगी। बता दें कि कोतवाली थाना क्षेत्र के रोडवेज तिराहा निवासी धर्मराज मद्धेशिया के पुत्र राहुल का अपहरण छह दिसंबर 2001 को स्कूल जाते समय हुआ था। इस मामले में पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी सहित नौ आरोपियों पर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। अमर मणि सहित तीन आरोपियों की पत्रावली अलग कर दी गई है।

पुलिस चौकी के पास तालाब से उतारता मिला शव

रूधौली। बुधवार की देर शाम देव शाम लगभग आठ बजे थाना क्षेत्र के बिशनपुरवा स्थित पुलिस चौकी से महज 20 मीटर की दूरी पर पुलिया के नीचे जलकुंभी से भरे तालाब में एक पुरुष का शव उतरता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शव का आधा दाहिना हाथ और सर का कुछ हिस्सा गायब था। सूचना पर पहुंची विधि विज्ञान टीम ने आवश्यक साक्ष्य इकट्ठा किए।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 780 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली के दबाव के बीच संभावित अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी को लेकर नई चिंताओं के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच धातु, तेल और गैस व कमोडिटी शेयरों में भारी नुकसान ने दबाव को और बढ़ा दिया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ।

योगी सरकार की तैयारी से लाखों परिवारों को बड़ी राहत

यूपी में बेटियों को बड़ा तोहफा, दो बहनें पढ़ेंगी तो एक की पढ़ाई पूरी तरह मुफ्त

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक नई और अहम पहल की तैयारी कर रही है। सरकार का प्लान है कि अगर किसी परिवार की दो सगी बेटियां एक ही स्कूल या कॉलेज में पढ़ रही हैं, तो दूसरी बेटी की ट्यूशन फीस मुफ्त कर दी जाए। इस योजना के तहत निजी और सरकारी, दोनों तरह के शैक्षणिक संस्थानों को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग को इस योजना की पूरी प्रक्रिया और शर्तें तय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोविड महामारी के दौरान प्रभावित परिवारों के बच्चों की मदद के लिए योगी सरकार ने पहले मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना शुरू की थी। उसी दौरान मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए थे कि अगर किसी स्कूल, कॉलेज या निजी शैक्षणिक संस्था में दो सगी बहनें पढ़ रही हों, तो संस्थान से अपील की जाए कि वह एक बच्ची की ट्यूशन फीस माफ करे। अगर कोई निजी स्कूल या कॉलेज ऐसा करने से मना करता है, तो सरकार खुद उस छात्रा की फीस की प्रतिपूर्ति करेगी। उस समय इस योजना के लिए सर्वे भी शुरू हुआ था, लेकिन चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण इस पर रोक लग गई थी। अब एक बार फिर इस योजना को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों में पहले से ही लड़कियों की पढ़ाई मुफ्त है। इसके अलावा कोविड से प्रभावित परिवारों के बच्चों के लिए अलग योजनाएं, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और स्कॉलरशिप व फीस प्रतिपूर्ति जैसी कई योजनाएं पहले से चल रही हैं। इन योजनाओं के जरिए अधिकतर छात्राएं कवर हो जाती हैं, लेकिन जो लड़कियां किसी कारण से इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रही हैं, खासकर निजी स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाली जरूरतमंद छात्राएं, उन्हें इस नई योजना के तहत प्राथमिकता दी जाएगी। पिछले महीने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री की इस घोषणा को लागू करने की रणनीति पर चर्चा की थी। बैठक में तय किया गया कि अलग-अलग शिक्षा विभाग होने के कारण एक नोडल विभाग और सिंगल विंडो सिस्टम बनाया जाए, ताकि योजना का लाभ सही तरीके से मिल सके। इस योजना के लिए महिला कल्याण विभाग को नोडल विभाग बनाए जाने का प्रस्ताव उच्च स्तर पर भेजा गया है।

प्रदेश ग्लोबल आईटी हब बनने की ओर अग्रसर

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ग्लोबल आईटी हब बनने की ओर अग्रसर है। बेहतर होते इन्फ्रास्ट्रक्चर, निवेश अनुकूल वातावरण से प्रदेश आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में भी तेजी से उभरते हुए, देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित हो चुका है। 2017 के बाद से प्रदेश ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है। लक्ष्य है कि 2030 तक देश के आईटी निर्यात में प्रदेश की मौजूदा हिस्सेदारी को 5 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक के स्तर पर ले जाया जाए। आईटी सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के संयुक्त विकास ने उत्तर प्रदेश के निर्यात आधार को व्यापक बनाया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र और लखनऊ जैसे शहर अब आईटी सेवाओं, मोबाइल निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और डेटा आधारित उद्योगों के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। प्रदेश में स्थापित हो रही असेम्बली यूनिट्स, कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और आईटी सर्विस कंपनियों ने निर्यात क्षमता को नई मजबूती दी है। 2017 में उत्तर प्रदेश से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात 3,862 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 44,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। आईटी आधारित सेवाओं का निर्यात 55,711 करोड़ रुपये से बढ़कर 82,055 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह वृद्धि आंकड़ों तक सीमित नहीं है। प्रदेश में विकसित हो रहे प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक ढांचे, वैश्विक कंपनियों के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है इसका सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के युवाओं को मिल रहा है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक निर्यात आधारित उद्योगों से बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। तकनीकी प्रशिक्षण कौशल, विकास कार्यक्रम और स्टार्टअप इकोसिस्टम के विस्तार से युवा अब केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि नवाचार और उद्यमिता के वाहक बन रहे हैं। योगी सरकार के नीतिगत सुधारों ने निवेश प्रक्रिया सरलपारदर्शी बनाया है। सिंगल विंडो सिस्टम,बेहतर कानून व्यवस्था, मजबूत लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने यूपी को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बना दिया है।

वीबी-जी राम जी मजदूरों, किसानों और गांवों के समग्र विकास का मंत्र-पंकज

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने वाराणसी में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने पिछले 11 वर्षों में ग्रामीण भारत की दशा और दिशा दोनों को ऐतिहासिक रूप से बदला है। सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, पारदर्शी व्यवस्था और गरीब-कल्याण के संकल्प का ही परिणाम है कि देश में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, जो देश की एक बड़ी उपलब्धि है।वीबी-जी राम जी मजदूरों, किसानों और गांवों के समग्र विकास का मंत्र है और कांग्रेस के भ्रष्टाचार के अंत का माध्यम है। कांग्रेस का विरोध आम जन के हित में नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए है।बनारस में मीडिया से मुखातिब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार का उद्देश्य रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गरीब, वंचित, जनजाति और पिछड़े वर्ग के श्रमिकों को सम्मानजनक आजीविका और गरिमा प्रदान करना है। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का एक नया ढांचा तैयार किया गया है, जो महात्मा गांधी की भावना से प्रेरित है और राम राज्य की अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है।श्री चौधरी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आखिर विकसित भारत और भगवान श्रीराम के नाम से इन्हें इतनी नफरत क्यों है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस चाहे कितनी भी साजिशें रच ले, देश 2047 तक विकसित भारत बनकर रहेगा और इस लक्ष्य को कोई रोक नहीं सकता। नई ग्रामीण रोजगार व्यवस्था के अंतर्गत हर ग्रामीण परिवार को प्रतिवर्ष 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। वन क्षेत्रों में कार्य करने वाले अनुसूचित जनजाति के श्रमिकों को अतिरिक्त 25 दिन का रोजगार मिलेगा। काम के दिन बढ़ने के साथ मजदूरी का भुगतान अधिक तेजी से होगा और साप्ताहिक भुगतान का प्रावधान किया गया है, जबकि मनरेगा में मजदूरी 15 दिन में मिलती थी। मनरेगा पर सबसे अधिक खर्च मोदी सरकार ने किया है। अब तक इस योजना पर 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिनमें से 8.53 लाख करोड़ रुपये केवल मोदी सरकार के कार्यकाल में दिए गए हैं। यह आंकड़े कांग्रेस के झूठे दावों की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं। 2005 में मनरेगा की शुरूआत हुई थी, लेकिन ग्रामीण भारत की स्थिति और आवश्यकताएं पूरी तरह बदल चुकी हैं। 2011-12 में जहां ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत थी, 2023-24 में यह घटकर 4.86 प्रतिशत रह गई है। कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, आजीविका के नए साधन विकसित हुए हैं, इसलिए पुराने ओपन-एंडेड मॉडल को 2025 की जरूरतों के अनुसार पुनर्गठित करना आवश्यक हो गया था। यूपीए सरकार के समय मनरेगा में पारदर्शिता का अभाव था, जबकि नई व्यवस्था में रियल टाइम डेटा अपलोड, जीपीएस, मोबाइल मॉनिटरिंग तथा एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन की व्यवस्था की गई है भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी और सही लाभार्थियों को समय पर काम और भुगतान मिल सकेगा।प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि नए कानून का फोकस चार प्राथमिकताओं पर आधारित है,जल संबंधी कार्य, कोर ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण, आजीविका से जुड़ी संपत्तियों का विकास और खराब मौसम के कारण रोजगार में होने वाली कमी को कम करना। जल सुरक्षा, खेती, सड़क, बाजार, भंडारण और जलवायु अनुकूल विकास को मजबूती मिलेगी।उन्होंने कहा कि वीबी-जी राम जी बिल में प्रावधान है कि बुआई और कटाई के मौसम में 60 दिन तक कार्य स्थगित रहेगा, ताकि कृषि कार्यों में मजदूरों की कमी न हो। मनरेगा में इस तरह का कोई प्रावधान पहले नहीं था।

चारबाग बस अड्डे पर निर्माण, जाम लगा,निर्माण कार्य के चलते चारों ओर से बंद हुआ बस अड्डा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के चारबाग रोडवेज बस अड्डा पर चल रहे निर्माण कार्य ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। बस अड्डे के चारों ओर रास्ते बंद कर दिए गए हैं, जिससे बसों के प्रवेश और निकास की व्यवस्था ठप हो गई है। हालात यह हैं कि बसों को मजबूरी में सड़क के दोनों किनारों पर खड़ा किया जा रहा है, जिसके कारण चारबाग और आसपास के इलाकों में भीषण जाम की स्थिति बन गई है। बस अड्डे के भीतर जगह न होने और रास्ते बंद होने के कारण रोडवेज बसें सीधे सड़क पर खड़ी की जा रही हैं। इससे न सिर्फ निजी वाहन बल्कि एम्बुलेंस, ऑटो और दोपहिया चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चारबाग रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले रास्तों पर भी वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे पूरे क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि चारबाग रोडवेज बस अड्डे को आधिकारिक तौर पर बंद किए जाने की बात सामने आ रही है, लेकिन इसकी जानकारी यात्रियों को नहीं दी गई। बस अड्डे पर न तो कोई नोटिस चस्पा किया गया है और न ही परिवहन विभाग की ओर से कोई लिखित आदेश सार्वजनिक किया गया है। ऐसे में यात्री रोज की तरह चारबाग पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां अव्यवस्था और भ्रम की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। बस अड्डा बंद होने के बावजूद रोडवेज बसों का चारबाग आना लगातार जारी रहा। एक के बाद एक बसें पहुंचने से सड़क पर बसों की कतार लग गई और जाम की स्थिति और गंभीर होती चली गई। कई बार तो वाहन चालकों को कुछ मीटर चलने में भी 20-30 मिनट तक का समय लग गया।

अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक, एसजीपीजीआई लखनऊ में भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक पड़ा है। एसजीपीजीआई की कार्डियोलॉजिस्ट डिपार्टमेंट के सूत्रों के मुताबिक, बुधवार रात बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर से उन्हें लखनऊ रेफर किया गया था। लखनऊ लाते समय रास्ते में ही उनको कार्डियक अटैक की शिकायत हुई, जिस पर सीपीआर देते हुए उन्हें सीधे एसजीपीजीआई के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में भर्ती कराया गया। रात करीब 1.00 बजे अमिताभ ठाकुर को भर्ती कराया गया है। फिलहाल पूरे डिपार्टमेंट में कोई बात करने को अभी तैयार नहीं है। डॉक्टरों की निगरानी में अमिताभ ठाकुर का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है की हालत स्थिर नहीं है, इसलिए किसी को भी वहां आने-जाने की बिल्कुल परमिशन नहीं है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। दरअसल, अमिताभ ठाकुर की तबीयत देवरिया जेल में मंगलवार देर रात अचानक बिगड़ गई थी। सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद पहले उन्हें देवरिया मेडिकल कॉलेज, फिर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। स्थिति गंभीर होने पर लखनऊ भेजा गया। इसी बीच, अमिताभ ठाकुर की ओर से रिमांड कैंसिल करने के लिए बुधवार को दी गई अर्जी सीजेएम मंजू कुमारी ने खारिज कर दी। अब उन्हें 21 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। मंगलवार को अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका पर सीजेएम कोर्ट में सुनवाई थी। पुलिस उन्हें सीजेएम कोर्ट लेकर गई थी, लेकिन कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद ठाकुर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पेशी के बाद अमिताभ ठाकुर को शाम तीन बजे जेल वापस लाया गया। रात 9.30 बजे उन्होंने भोजन किया और उसके बाद लिखने-पढ़ने में लगे रहे। रात करीब 12 बजे अचानक सीने में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद जेल प्रशासन ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया। फिर उन्हें गोरखपुर भेजा गया। वहां शुरूआती जांच में हार्ट अटैक की आशंका जताई गई, लेकिन बुधवार को कराई गई ट्रोप-आई जांच में हार्ट अटैक की पुष्टि नहीं हुई। डॉक्टरों के अनुसार, यह जांच हार्ट अटैक की पुष्टि के लिए अहम मानी जाती है। मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमिताभ ठाकुर पिछले नौ दिनों से हार्ट की नियमित दवा नहीं ले रहे थे।

इलाज में न हो लापरवाही, आयुष्मान अस्पतालों को 30 दिन में भुगतान

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत इलाज कराने वाले परिवारों के लिए कैशलेस उपचार किया गया, योजना से जुड़े अस्पतालों को समय पर भुगतान कर व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। पिछले एक वर्ष में आयुष्मान योजना के क्लेम निस्तारण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत क्लेम के त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के लिए लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। जनवरी-25 में जहां क्लेम की पेंडेंसी 10 लाख 75 हजार तक पहुंच गई थी, वहीं दिसंबर-25 तक यह घटकर मात्र 3 लाख रह गयी है। इसे भी जल्द ही निस्तारित कर दिया जाएगा। योजना के तहत प्रति माह औसतन 2 लाख से अधिक क्लेम अस्पतालों से प्राप्त होते हैं। क्लेम का समयबद्ध निस्तारण बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद पुराने लंबित मामलों के साथ नए क्लेम का नियमित और सुव्यवस्थित तरीके से निस्तारण हो। इसका मुख्य उद्देश्य, सूचीबद्ध अस्पताल बिना हीलाहवाली के आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज करें। साचीज की एसीईओ पूजा यादव ने बताया कि क्लेम निस्तारण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और तेज बनाने के लिए मेडिकल ऑडिट व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। मेडिकल ऑडिटरों की संख्या 40 से बढ़ाकर 130 कर दी गई है।इससे क्लेम की जांच प्रक्रिया तेज हुई है।इसके साथ ही क्लेम प्रोसेसिंग डेस्क की संख्या भी 100 से बढ़ाकर 125 कर दी गई है। योजना के तहत अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत क्लेम्स का भुगतान 30 दिनों की निर्धारित समय-सीमा यानि टर्न अराउंड टाइम के भीतर किया जाए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एजेंसी स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें की जा रही हैं और लंबित मामलों की सतत निगरानी की जा रही है। जनवरी-25 से दिसंबर-25 की अवधि के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के सूचीबद्ध अस्पतालों को क्लेम्स के सापेक्ष 4,649 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। यह आंकड़ा दशार्ता है कि योगी सरकार न सिर्फ इलाज की व्यवस्था कर रही है, बल्कि अस्पतालों के आर्थिक हितों की भी पूरी तरह से रक्षा कर रही है, ताकि वे गरीब मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे सकें। योगी सरकार की नीतियों से क्लेम पेंडेंसी में कमी, समयबद्ध भुगतान और मजबूत ऑडिट व्यवस्था ने अस्पतालों का विश्वास बढ़ाया है।

सगाई के बाद लड़की को ससुराल भेजा, जेवर लेकर भागी, सास ने बहू पर की एफआईआर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एक महिला ने जान-पहचान के लोगों पर साजिश के तहत जेवर चोरी करने और झूठे मुकदमे में फंसाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक पूरी साजिश की शुरूआत बेटे की शादी के प्रस्ताव से हुई। जो बाद में बड़ी ठगी और डराने-धमकाने में बदल गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। न्यू मुन्नू खेड़ा स्थित ग्रीन सिटी कॉलोनी में रहने वाली पूनम पांडेय ने बताया कि उनका परिचित विक्की गुप्ता, उसकी महिला मित्र साधना और साधना का बेटा प्रेम उनके घर आते-जाते थे। इसी दौरान इन लोगों ने साजिश के तहत उनके बेटे सचिन की शादी का प्रस्ताव रखा और एक पायल नाम की लड़की से मिलाया। आरोप है कि लड़की के बारे में बताया गया कि उसकी मां सौतेली है और पिता उस पर अत्याचार करता है। इसके बाद जल्दी सगाई करने का दबाव बनाया गया और पायल के साथ बेटे की सगाई कर दी गई। सगाई के करीब तीन महीने बाद आरोपी पायल को लेकर पीड़िता के घर पहुंचे और जान का खतरा बताते हुए उसे घर में रखने की बात कही। दबाव में आकर पीड़िता ने पायल को घर की ऊपरी मंजिल में बने कमरे में रहने दिया। इस दौरान पायल ने घर में रखे जेवर और कीमती सामान की जानकारी जुटा ली। 8 अगस्त 2025 को रक्षा बंधन पर जब पीड़िता अपने पति के साथ गोरखपुर गई। बेटा मुंबई में था, तब पायल घर में अकेली थी। इस दौरान पायल, विक्की, साधना और प्रेम ने मिलकर अलमारी में रखे पुश्तैनी सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। पीड़िता का कहना है कि 11 अगस्त को वापस लौटने के बाद पायल का व्यवहार अचानक उग्र हो गया। वह छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करने लगी और सगाई तोड़ने की धमकी देने लगी। जब पीड़िता ने अलमारी खोली तो सारा जेवर गायब मिला। पायल से पूछा तो वो पीड़िता और उनके पति को झूठे मुकदमों में फंसाने और जेल भिजवाने की धमकी देते हुए घर छोड़ दिया। जब इस बारे में विक्की गुप्ता से बात की गई तो उसने भी झगड़ा किया और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 15 सितंबर 2025 की रात पीड़िता घर पर अकेली थीं। तब पायल, विक्की, साधना, प्रेम समेत कई लोग उनके घर पहुंचे और गेट खोलने का दबाव बनाते हुए गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने लगे। उसी दौरान पुलिस के पहुंचने पर सभी वहां से चले गए। इसके बाद से आरोपी पक्ष अलग-अलग जगह प्रार्थना-पत्र देकर उन पर दबाव बना रहा है, ताकि जेवर चोरी के मामले में वह कोई कानूनी कार्रवाई न कर सकें। प्रताड़ना से तंग महिला ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

परचून दुकानदार की पीट-पीटकर हत्या,तार डालने को लेकर दो पक्षों में विवाद

लखनऊ /आगरा (संवाददाता)। नगर में गुरुवार सुबह बिजली के तार डालने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बीच-बचाव करने पहुंचे भूरी सिंह को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला बमरौली कटारा थाना क्षेत्र के पावावली गांव का है। पावावली गांव की रहनी वाली पूनम और गोलो गुरुवार सुबह 7 बजे बिजली के खंभे से तार डाल रही थी। इसी दौरान दूसरे पक्ष के रामकिशन और बाचा राम ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी पक्ष गाली-गलौज करने लगा। शोर सुनकर पास में ही रहने वाले भूरी सिंह (50) मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपियों को गाली देने से मना किया। जिसके बाद आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से हुई मारपीट में भूरी सिंह को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। भूरी सिंह घर में परचून की दुकान चलाकर गुजारा करते थे। उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपने बड़े भाई के बेटे रामू को गोद लिया था। भूरी सिंह की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष बमरौली कटारा, हरीश कुमार शर्मा भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए आगरा भेज दिया है। थानाध्यक्ष हरीश कुमार शर्मा ने बताया कि फिलहाल पुलिस को पीड़ित पक्ष की ओर से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलते ही संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मंडल रेल प्रबन्धक ने समपार फाटको पर कर्मचारियों की सजगता का मध्य रात्रि में किया औचक निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, शीतकाल के मौसम में रेल संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल निरंतर सतर्क और सक्रिय है। लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे मंडल शीतकाल के इस मौसम में भी रेल संरक्षा एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए निरंतर सतर्क और रात-दिन सक्रिय है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर मंडल रेल प्रबन्धक गौरव अग्रवाल व उनकी टीम लगातार प्रयासरत है। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने रेल संरक्षा एवं कर्मचारियों की सजगता की जांच के लिए दिनांक 7/8 जनवरी की मध्यरात्रि में गोरखपुर- आनंद नगर रेल खण्ड के मध्य गेट संख्या 11- सी एवं 13- सी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गेटमैन की सतर्कता को जाँच और कर्मचारियों से सुरक्षित ट्रेन परिचालन के संबंध में बात की। जाँच के दौरान सभी गेटमैन ड्यूटी पर सतर्क पाए गए। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा इससे पूर्व दिनांक 6 /7 जनवरी को भी गोंडा -आनंद नगर के मध्य स्थित समपार संख्या 74-सी,69-सी, 68-सी एवं 66-सी का औचक रात्रि निरीक्षण कर गेटमैन की सतर्कता की जांच की गई थी। मंडल रेल प्रबन्धक ने कर्मचारियों को रेल संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए कर्मचारियों को रेल संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए तथा विशेष रूप से शीतकाल में कोहरे की स्थिति में अधिक सतर्कता बरतने पर बल दिया। उन्होने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल शीतकाल में निर्बाध एवं सुरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर निरीक्षण के दौरान अपर मण्डल रेल प्रबंधक (परिचालन) नीतू एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) गौरव गुप्ता भी उपस्थित थे।

अखिलेश ने पीडीए समाज से की वोट बचाने की अपील

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए समाज (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि वोटर लिस्ट से नाम काटे जाने की साजिश को हर हाल में नाकाम किया जाए। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद पीडीए समाज के करोड़ों मतदाताओं के नाम अब तक मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं, जो लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों पर सीधा हमला है। अखिलेश यादव ने पीडीए प्रहरी से हर बूथ पर गहन जांच-पड़ताल करने का आह्वान करते हुए कहा कि एक भी वोट न कटने पाए, एक भी वोट न घटने पाए के संकल्प के साथ सभी को फिर से संगठित होना होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम होना नागरिक होने की पहचान है। अगर किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटता है तो आने वाले समय में उसी आधार पर राशन कार्ड, सरकारी योजनाओं, जाति प्रमाणपत्र, आरक्षण, नौकरी, बैंक खाते, बीमा, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बिजली-पानी कनेक्शन, खेत-जमीन और घर-मकान तक पर संकट आ सकता है। सपा अध्यक्ष ने आशंका जताई कि सत्ता में बैठी भाजपा सरकार चुनावी लाभ के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो सरकार निर्विरोध चुनाव कराने का खेल खेल सकती है, वह वोट काटने की साजिश भी कर सकती है। चुनाव जीतकर सत्ता में आना और फिर भ्रष्टाचार के जरिए जल-जंगल-जमीन पर कब्जा करना ही उनका उद्देश्य है। यादव ने कहा कि पीडीए समाज को यह समझना होगा कि जब हमारे पास वोट डालने का अधिकार है, तब भी उत्पीड़न हो रहा है। यदि यह अधिकार ही छीन लिया गया तो हालात और भयावह होंगे।सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि वर्चस्ववादी ताकतें संविधान को कमजोर करना चाहती हैं, जबकि संविधान ही गरीब, शोषित और वंचित वर्गों की ढाल है। उन्होंने पीडीए समाज के हर सदस्य से अपील की कि वह सजग रहे, अपना वोट जरूर बनवाए और दूसरों को भी जागरूक करे। उन्होंने कहा कि वोट बचाने का मतलब संविधान, आरक्षण, नौकरी और भविष्य को बचाना है। सपा अध्यक्ष ने भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर मतदान करने और अपनी पीडीए सरकार बनाने की अपील की।

दुद्धी से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दुद्धी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। संस्थान की जनसंपर्क अधिकारी कुसुम यादव के मुताबिक, मल्टी आर्गन फेल्योर के चलते विधायक की मृत्यु हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही सोनभद्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई है। दुद्धी विधानसभा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित और आदिवासी बहुल क्षेत्र है। विजय सिंह गोंड को आदिवासी राजनीति का शपितामहश माना जाता था। उन्होंने इस क्षेत्र का सात बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया और आदिवासी समाज की समस्याओं को मजबूती से सदन तक पहुंचाया। वर्ष 2024 के उपचुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी श्रवण गोंड को 3160 मतों से पराजित कर सीट अपने नाम की थी। इससे पहले 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने दुद्धी से रामदुलार गोंड को 6297 मतों के अंतर से हराया था। वह सपा सरकार में मंत्री भी रहे और संगठन में उनका खासा प्रभाव था। विजय सिंह गोंड का राजनीतिक जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने बेहद सीमित संसाधनों से राजनीति की शुरूआत की। वर्ष 1979 में वे वनवासी सेवा आश्रम में मात्र 200 रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत थे, उसी दौरान कांग्रेस के टिकट पर पहली बार विधानसभा पहुंचे। आदिवासी हितों के लिए उनकी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुद्धी और ओबरा विधानसभा को अनुसूचित जनजाति सीट घोषित कराने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी।

बाथरूम में घुसकर महिला से अभद्रता, 4 के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ /आगरा (संवाददाता)। थाना सिकंदरा क्षेत्र में महिला से बाथरूम में अभद्रता, मारपीट और अपमानजनक व्यवहार का मामला सामने आया है। महिला अपनी मां की परिचित के यहां गई थी, इसी दौरान उसके साथ बदसलूकी हुई। पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिकंदरा क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को बताया-वह 4 जनवरी को अपनी मां की एक परिचित महिला से मिलने राधिका विहार स्थित फ्लैट पर गई थी। बातचीत के दौरान वह बाथरूम यूज करने गई। इसी दौरान घर में मौजूद लोग जबरन बाथरूम में घुस आए और उसके साथ अभद्रता की। पीड़िता ने विरोध किया तो उसके जबरन बाहर खींच लाए। बाथरूम से बाहर निकालकर उसे लात-घूंसों से पीटा। आरोप है कि इस दौरान फ्लैट में मौजूद लोगों ने उसके चरित्र पर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। बीच-बचाव को आई नौकरानी से भी धक्का-मुक्की की। घटना के बाद पीड़िता गंभीर रूप से घायल हो गई। वह किसी तरह से पश्चिमपुरी चौकी पहुंची। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने जिन आरोपियों को नामजद किया है, उनमें शामिल हैं, अरुण दिवाकर, उसकी पत्नी दीक्षा दिवाकर, मां मंजू दिवाकर और बहन मनीषा दिवाकर। आरोप है कि महिला आरोपियों के उकसाने पर अरुण दिवाकर ने मारपीट की और मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया। थाना सिकंदरा पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है। सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निदेर्शों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे-बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर-शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर-शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है। निश्चित रूप से यह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। निर्विवाद रूप से इस बेतुके आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की जरूरत है। सही मायनों में नगरपालिका के अधिकारियों को अपना काम करना चाहिए और शिक्षकों को भी अपना काम करने की आजादी दी जानी चाहिए। यह समस्या केवल शिक्षकों की ही नहीं है बल्कि यह हमारे नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है। ऐसे में शिक्षकों को शिक्षण कार्य के अलावा अन्यत्र काम सौंपना, कहीं न कहीं छात्रों और छात्राओं को शिक्षा पाने के अधिकार से वंचित करने जैसा भी है।

बिजली बन तो रही है, पर रास्ता नहीं..!

भारत तेजी से हरित ऊर्जा उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, ट्रांसमिशन व्यवस्था की कमी इस प्रगति में एक बड़ी रुकावट बनती जा रही है। बिजली बनने के बाद भी वह उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पा रही है। देश में बिजली की जरूरत हर साल बढ रही है। खेतों की सिंचाई हो, छोटे उद्योग हों या घरों की रोशनी-बिजली के बिना काम नहीं चलता। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए हरित ऊर्जा पर जोर देना आवश्यक है। इसी जरूरत को देखते हुए भारत तेजी से सौर और पवन ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है। सरकार ने लक्ष्य रखा है कि साल 2030 तक देश में 500 गीगीवॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा तैयार की जाए। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और लद्दाख जैसे इलाकों में बड़े पैमाने पर सोलर और पवन बिजलीघर लगाए जा रहे हैं यह देश के लिए अच्छी बात है। लेकिन इसी के साथ एक गंभीर समस्या भी सामने आ रही है। बिजली तैयार, फिर भी बंद क्यों? कई जगह ऐसा हो रहा है कि बिजलीघर पूरी तरह तैयार है, सूरज चमक रहा है, हवा चल रही है, फिर भी बिजली का उत्पादन घटाना पड़ रहा है या बंद करना पड़ रहा है। इसकी वजह है ट्रांसमिशन लाइन-यानी वह व्यवस्था जो बिजली को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है, में असंतुलन और क्षमता में कमी। अगर बिजली बनाने का काम पहले पूरा हो जाए और लाइन बाद में बने, जो बनी हुई बिजली को आगें भेजा ही नहीं जा सकता। इसी मजबूरी को तकनीकी भाषा में श्कर्टेलमेन्ट्श कहा जाता है-यानी बिजली होते हुए भी उसका इस्तेमाल न हो पाना। इसके फलस्वरूप बिजली बनाने वाले डेवलपर्स को काफी हानि होती है, और कर्ज का बोझ बढ़ता रहता है। कहां-कहां हो रही है यह दिक्कत? राजस्थान में हाल के महीनों में कई बार सोलर और पवन बिजली का बड़ा हिस्सा ग्रिड में नहीं लिया जा सका। गुजरात और महाराष्ट्र में भी बिजली तैयार होने के बावूजद उत्पादन घटाना पड़ा। लद्दाख जैसे दूरस्थ इलाकों में आने वाले समय के लिए ट्रांसमिशन की तैयारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसका सीधा मतलब है-स्वच्छ बिजली की बबार्दी और देश को नुकसान। ग्रिड मजबूत है, लेकिन ट्रांसमिशन में असंतुलन और दबाव बढ़ गया है। यह सच है कि भारत का राष्ट्रीय बिजली ग्रिड दुनिया के सबसे बड़े और मजबूत ग्रिड़ों में से एक है। पावर ग्रिड कॉपोर्रेशन ऑफ इंडिया ने वर्षों तक देश को जोड़ने वाली बिजली लाइनों का मजबूत जाल खड़ा किया है। इसमें उनकी भूमिका सराहनीय रही है। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। आज नवीकरणीय परियोजनाएं बहुत तेजी से बन रही हैं। एक साथ कई राज्यों में काम चल रहा है। कई बड़े प्रोजेक्ट एक-दूसरे पर निर्भर है। ऐसे में अगर किसी एक लाइन या परियोजना में देरी हो जाए, तो उसका असर कई बिजलीघरों पर पड़ता है। यह किसी एक संस्था की कमी नहीं, बल्कि काम के बढ़ते बोझ की हकीकत है। कई कारणों से पावर ग्रिड कॉपोर्रेशन को 50 से अधिक काम मिला हुआ है, जबकि अन्य कई ट्रांसमिशन कंपनियों के पास अधिक काम नहीं है, और असंतुलन बना हुआ है। जमीन और अनुमति की मुश्किलें ट्रांसमिशन लाइन बनाना आसान नहीं है इसके लिए किसानों की जमीन से लाइन निकालनी पड़ती है। जंगल और पर्यावरण से जुड़ी मंजूरी लेनी होती है। कई जिलों और राज्यों से होकर लाइन जाती है। हर जगह अलग नियम और अलग प्रक्रिया होती है। इसी कारण कई बार ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट एक-दो साल तक लेट हो जाते हैं। आखिर नुकसान किसका होता है? जब बिजलीघर तैयार हैं, लेकिन लाइन नहीं, तो बिजली बनाने वालों को आर्थिक नुकसान होता है। निवेश करने वाले हिचकिचाने लगते हैं और आम आदमी तक सस्ती, साफ बिजली नहीं पहुंच पाती। कुछ कंपनियों ने तो नियामक आयोग में यह दावा किया है कि ट्रांसमिशन में देरी और कर्टेलमेन्ट से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समाधान क्या है? इस समस्या का हल समय रहते निकाला जा सकता है। पहला, काम का बंटवारा-जहां संभव हो, ट्रांसमिशन के काम में ज्यादा कंपनियों को मौका मिले, ताकि काम का बोझ बंटे और देरी कम हो। प्रतिस्पर्धा के लिए भी यह आवश्यक है। दूसरा, जल्दी मंजूरी-जमीन और अन्य अनुमतियों के लिए एक ही जगह से, तय समय में मंजूरी की व्यवस्था हो। तीसरा, पहले से तैयारी-जहां बड़े सोलर या पवन पार्क बनने हैं, वहां ट्रांसमिशन लाइन का काम पहले या साथ-साथ शुरू हो। चौथा, स्थानी उपाय-बैटरी स्टोरेज और बेहतर प्रबंधन से कुछ बिजली को वहीं इस्तेमाल या सुरक्षित किया जा सकता है। निष्कर्षः हरित ऊर्जा भारत के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है लेकिन सिर्फ बिजली बनाना ही काफी नहीं, उसे सही समय पर सही जगह पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। यह समय आरोप लगाने का नहीं, बल्कि देश के हित में मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि किसानों की जमीन का सही इस्तेमाल हो, निवेशकों का भरोसा बना रहे और आम आदमी तक सस्ती और साफ बिजली पहुंच सके। जब ट्रांसमिशन ग्रिड मजबूत और सुचारू होगा, तभी हरित भारत और देश के तीव्र विकास का सपना सच होगा।

बिजली तैयार, फिर भी बंद क्यों? कई जगह ऐसा हो रहा है कि बिजलीघर पूरी तरह तैयार है, सूरज चमक रहा है, हवा चल रही है, फिर भी बिजली का उत्पादन घटाना पड़ रहा है या बंद करना पड़ रहा है। इसकी वजह है ट्रांसमिशन लाइन-यानी वह व्यवस्था जो बिजली को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है, में असंतुलन और क्षमता में कमी। अगर बिजली बनाने का काम पहले पूरा हो जाए और लाइन बाद में बने, जो बनी हुई बिजली को आगें भेजा ही नहीं जा सकता। इसी मजबूरी को तकनीकी भाषा में श्कर्टेलमेन्ट्श कहा जाता है-यानी बिजली होते हुए भी उसका इस्तेमाल न हो पाना। इसके फलस्वरूप बिजली बनाने वाले डेवलपर्स को काफी हानि होती है, और कर्ज का बोझ बढ़ता रहता है। कहां-कहां हो रही है यह दिक्कत? राजस्थान में हाल के महीनों में कई बार सोलर और पवन बिजली का बड़ा हिस्सा ग्रिड में नहीं लिया जा सका। गुजरात और महाराष्ट्र में भी बिजली तैयार होने के बावूजद उत्पादन घटाना पड़ा। लद्दाख जैसे दूरस्थ इलाकों में आने वाले समय के लिए ट्रांसमिशन की तैयारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसका सीधा मतलब है-स्वच्छ बिजली की बबार्दी और देश को नुकसान। ग्रिड मजबूत है, लेकिन ट्रांसमिशन में असंतुलन और दबाव बढ़ गया है। यह सच है कि भारत का राष्ट्रीय बिजली ग्रिड दुनिया के सबसे बड़े और मजबूत ग्रिड़ों में से एक है। पावर ग्रिड कॉपोर्रेशन ऑफ इंडिया ने वर्षों तक देश को जोड़ने वाली बिजली लाइनों का मजबूत जाल खड़ा किया है। इसमें उनकी भूमिका सराहनीय रही है। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। आज नवीकरणीय परियोजनाएं बहुत तेजी से बन रही हैं। एक साथ कई राज्यों में काम चल रहा है। कई बड़े प्रोजेक्ट एक-दूसरे पर निर्भर है। ऐसे में अगर किसी एक लाइन या परियोजना में देरी हो जाए, तो उसका असर कई बिजलीघरों पर पड़ता है। यह किसी एक संस्था की कमी नहीं, बल्कि काम के बढ़ते बोझ की हकीकत है। कई कारणों से पावर ग्रिड कॉपोर्रेशन को 50 से अधिक काम मिला हुआ है, जबकि अन्य कई ट्रांसमिशन कंपनियों के पास अधिक काम नहीं है, और असंतुलन बना हुआ है। जमीन और अनुमति की मुश्किलें ट्रांसमिशन लाइन बनाना आसान नहीं है इसके लिए किसानों की जमीन से लाइन निकालनी पड़ती है। जंगल और पर्यावरण से जुड़ी मंजूरी लेनी होती है। कई जिलों और राज्यों से होकर लाइन जाती है। हर जगह अलग नियम और अलग प्रक्रिया होती है। इसी कारण कई बार ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट एक-दो साल तक लेट हो जाते हैं। आखिर नुकसान किसका होता है? जब बिजलीघर तैयार हैं, लेकिन लाइन नहीं, तो बिजली बनाने वालों को आर्थिक नुकसान होता है। निवेश करने वाले हिचकिचाने लगते हैं और आम आदमी तक सस्ती, साफ बिजली नहीं पहुंच पाती। कुछ कंपनियों ने तो नियामक आयोग में यह दावा किया है कि ट्रांसमिशन में देरी और कर्टेलमेन्ट से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समाधान क्या है? इस समस्या का हल समय रहते निकाला जा सकता है।

पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के विरुद्ध थे

तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के निर्माण का विरोध करते हुए 17 से अधिक पत्र लिखे थे। राष्ट्रपति तथा कैबिनेट मंत्रियों को लिखे पत्रों में उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की जरूरत पर प्रश्न उठाया था और उन्हें इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने से बहुत हतोत्साहित किया था। उन्होंने सरकारी संचार माध्यमों को निर्देश दिया कि समारोह की कवरेज कम से कम की जाए। उन्होंने भारतीय दूतावासों को भी निर्देश दिए कि वह सोमनाथ ट्रस्ट को सहायता प्रदान न करें। कुल मिलाकर इन पत्रों ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के विरोध तथा सहजता को प्रदर्शित किया। 21 अप्रैल 1951 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें आश्वस्त किया कि सोमनाथ के द्वारों को लेकर गढ़े जा रहे अख्यान पूरी तरह से गलत हैं और इस बात पर जोर दिया कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा। 28 अप्रैल 1951 को भारत के तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री आर.आर. दिवाकर को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सूचना व प्रसारण मंत्रालय को सोमनाथ मंदिर के निर्माण संबंधी कवरेज बारे प्रचार को निम्नतम करने को कहा और कहा कि यह समारोह विश्व में भारत की छवि को क्षति पहुंचा रहा है। उन्होंने 2 मई 1951 को राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 2 पत्र लिखे जिनमें उन्होंने अथाह जन समर्थन तथा अपने खुद के सहयोगियों की शमूलियत का सम्मान न करते हुए उनसे कहा कि भारत सरकार सोमनाथ मंदिर से संबंधित समारोहों से खुद को दूर रख रही है। 1 अगस्त 1951 को मुख्यमंत्रियों को लिखे अपने पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को लेकर किए जा रहे जोरदार प्रचार को भारत की धर्मनिरपेक्ष की छवि को कमजोर करने वाला बताया और कहा कि इससे विदेशों में बहुत बुरा प्रभाव जा रहा है। पाकिस्तान के विद्वेषपूर्ण प्रोपेगंडा पर प्रश्न उठाने की बजाय उन्होंने तर्क दिया कि सोमनाथ का पुनघ्नर्माण भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने 20 जुलाई 1950 को तत्कालीन केंद्रीय खाद्य एवं कृषि मंत्री के.एम. मुंशी को लिखे पत्र में प्रश्न उठाया कि सोमनाथ मंदिर का निर्माण क्यों किया जाना चाहिए, जबकि देश में आवासों की कमी है तथा आध्थक स्थिति खराब है। 13 जून 1951 को उप-राष्ट्रपति ड़ा. एस. राधाकृष्णन को लिखे अपने पत्र में उन्होंने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को एक अनावश्यक कोलाहल बताया और स्वीकार किया कि उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों को इसमें शामिल होने से रोकने का प्रयास किया था। 17 अप्रैल 1951 को चीन में भारत के राजदूत के.एम. पाणिक्कर को लिखे अपने पत्र में नेहरू ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने सोमनाथ मंदिर में राष्ट्रपति के दौरे के प्रभावों को कम करने का प्रयास किया था। तत्कालीन सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री यू.एन. धेबार को 21 अप्रैल 1951 को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर समारोह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे सरकारी फंड पर आपत्ति जताई तथा तर्क दिया कि मंदिर एक सरकारी मामला नहीं है। 22 अप्रैल 1951 को नवानगर के जाम साहिब दिग्विजय सिंह जी को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ ट्रस्टियों के पवित्र नदियों के जल तथा मिट्टी के लिए विदेशी मिशनों तक पहुंचने पर चिंता व्यक्त करते हुए तर्क दिया कि इससे एक गलत सरकारी धारणा बनती है। उन्होंने इसे एक निजी मामला बताते हुए भारत सरकार को इससे दूर रखा। यहां तक कि सौराष्ट्र सरकार की भी इससे जुडने और सरकारी फंडों को खर्च करने को लेकर आलोचना की। दो दिन बाद ही जाम साहिब को ही 24 अप्रैल 1951 को लिखे पत्र में उन्होंने खुले तौर पर सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को नव जागरणवाद बताते हुए इसकी खुल कर आलोचना की और चेतावनी दी कि राष्ट्रपति तथा मंत्रियों का इसमें शामिल होना राष्ट्र तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बुरे प्रभाव डालेगा। 17 अप्रैल 1951 को विदेशी मामलों के मंत्रालय में महासचिव तथा विदेश सचिव को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने निर्देश दिया कि दूतावासों को सोमनाथ ट्रस्ट की ओर से पवित्र नदियों के पानी को लेकर किए गए आवेदन पर जरा भी ध्यान न दिया जाए, जो स्पष्ट दशार्ता है कि हिंदू धार्मिक गतिविधियों से वह कितने असहज थे। 9 मई 1951 को विदेश मंत्रालय के सचिव एस. दत्त को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने इस समारोह के साथ भारत सरकार की किसी भी तरह की संबंधता को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की। पाकिस्तान में भारत के उच्चायुक्त खूब चंद को 19 मार्च 1951 को लिखे अपने पत्र में पं. नेहरू ने सोमनाथ के अभिषेक के लिए सिंधु नदी के जल के इस्तेमाल को औपचारिक रूप से अस्वीकार कर दिया और विदेश सचिव के माध्यम से यह संदेश भिजवाया कि इस याचना को उनकी स्वीकृति नहीं है। 2 मार्च 1951 को राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्हें सोमनाथ के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति का शामिल होना बिल्कुल पसंद नहीं। केंद्रीय गृहमंत्री सी. राजगोपालाचारी को 11 मार्च 1951 को लिखे पत्र में पं. नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति के शामिल होने का खुलकर विरोध किया।

अमर्त्य सेन को नोटिस, अब यही बचा था

पिछले साल अगस्त में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि इस प्रक्रिया को संवेदनशीलता से नहीं संभाला गया तो बड़ी संख्या में गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। श्री सेन ने उस नौकरशाही प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया था जो नागरिकों से सख्त दस्तावेजी साक्ष्य मांगती है, जबकि शायद उनके पास वे दस्तावेज उपलब्ध न हों। उन्होंने कहा था कि श्प्रशासनिक प्रक्रियाएं और समय-समय पर संशोधन आवश्यक हैं, लेकिन ये मौलिक अधिकारों की कीमत पर नहीं होने चाहिए। अमर्त्य सेन ने कहा था कि कई लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं। कई लोग वोट नहीं दे सकते... अगर हालात को थोड़ा सुधारने के नाम पर कई लोगों को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह एक गंभीर गलती बन जाती है, सिर्फ एक गलती को सुधारने के लिए सात नयी गलतियां करना जायज नहीं ठहराया जा सकता।एसआईआर पर ऐसी नकारात्मक टिप्पणी पहली बार नहीं हुई थी, देश का विपक्ष लगातार इन्हीं सवालों को उठाते आया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बाकायदा वोटर अधिकार यात्रा ही इस मुद्दे पर निकाल दी और साथ ही चुनाव आयोग के सामने वोट चोरी के सबूत भी पेश किए। जिस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को हलफनामा दाखिल करने कहा। अमर्त्य सेन से ऐसी कोई मांग नहीं की गई, लेकिन उन्हें प.बंगाल की एसआईआर प्रक्रिया के दौरान नोटिस भेजकर आयोग के सामने पेश होने कहा गया।जी हां, नरेन्द्र मोदी के राज में अब ये भी मुमकिन है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति को नाम की वर्तनी गलत होने के नाम पर चुनाव आयोग नोटिस भेज सकता है। जब एक नोबेल विजेता और विश्व विख्यात नागरिक के साथ भारत सरकार का सलूक ऐसा है, तो फिर आम आदमी के लिए वह कितनी हेय दृष्टि रहती है, इसका अंदाज लगाया जा सकता है। प.बंगाल में एसआईआर को लेकर कई किस्म के विवाद सामने आ रहे हैं। सत्तारुढ़ टीएमसी ने दावा किया है कि बूढ़े और बीमार लोगों तक को चुनाव आयोग नोटिस भेजकर परेशान कर रहा है। आरोप है कि कम से कम 70 लोगों की मौत इस प्रक्रिया की वजह से हो चुकी है। ये बेहद गंभीर बात है और सुप्रीम कोर्ट इन मौतों पर स्वतरू संज्ञान लेकर नए सिरे से चुनाव आयोग से पूछताछ करेगा ऐसी उम्मीद है। बहरहाल, आम लोगों को परेशान करने और अकाल मौतों के आरोपों के बीच एक नया विवाद अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करने पर खड़ा हो गया। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस पर सवाल उठाए तो चुनाव आयोग ने इसे टाइपो की गलती बताया और नोटिस जारी करने वाले बीएलओ को सस्पेंड कर दिया। हालांकि कायदे से इसमें ज्ञानेश कुमार को दो पंक्ति का ही सही लेकिन खेद प्रकट करना चाहिए था। तृणमूल कांग्रेस ने सही कहा कि अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करना बंगाल और भारत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले एक महान व्यक्तित्व का अपमान है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अमर्त्य सेन को दिया गया नोटिस दशार्ता है कि कैसे बंगाल में प्रभावशाली आवाजों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले अभिनेता देव और क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी नोटिस भेजे गए थे। मानो उपलब्धि, ईमानदारी और गरिमा का अब कोई महत्व ही नहीं रह गया हो। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने भारत की बौद्धिक संपदा और मूल्यों को विश्व मंच पर पहुंचाया। आज, उनके कद का एक सार्वजनिक व्यक्ति भी भाजपा नियंत्रित चुनाव आयोग के हाथों अपमानित हो रहा है।ध्यान रहे कि नोबेल पुरस्कार विजेता की दिवंगत माता अमिता सेन, 2002 में बंगाल में हुए एसआईआर (जनगणना) के दौरान मतदाता सूची में थीं। अमर्त्य सेन ने 2014 में बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया था और उसी वर्ष लोकसभा चुनाव में मतदान किया था। जब राज्य में एसआईआर प्रक्रिया 4 नवंबर को शुरू हुई, तो सेन के नाम से एक एसआईआर जनगणना प्रपत्र जारी किया गया। उनके चचेरे भाई संताभानु सेन ने भरा हुआ प्रपत्र बीएलओ (राज्य परिवहन अधिकारी) को जमा कर दिया। एसआईआर में अमर्त्य सेन के नाम की वर्तनी में अंतर पाया गया था। इसी पर नोटिस भेजा गया। हालांकि अब चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि सेन को गलती सुधारने के लिए बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित निर्धारित कार्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। आयोग ने कहा कि एक बीएलओ (चुनाव अधिकारी) हार्वर्ड के अर्थशास्त्री सेन के पैतृक निवास शांति निकेतन स्थित प्रतीची जाकर आवश्यक कार्रवाई करेगा। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बूथ लेवल ऑफिसर को मतदाता सूची में नाम की वर्तनी जैसी छोटी गलतियों को सुधारने का अधिकार है। इसलिए अमर्त्य सेन के मामले में भी सुधार प्रशासनिक स्तर पर ही किया जाएगा। बता दें कि आयोग ने निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की विसंगति से जुड़े नोटिस तुरंत डाउनलोड कर चार से पांच दिनों के भीतर संबंधित मतदाताओं तक पहुंचाए जाएं। इस काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस निर्देश के हिसाब से तो बीएलओ ने सही कार्रवाई की, लेकिन उसे सस्पेंड किया गया।

पर्वों का संगम: जीवन में सहज-सजग शुरुआत का आनंद

संगीता मित्तल

नववर्ष जब लोहड़ी और मकर संक्रांति के साथ दस्तक देता है, तो समय मानो एक क्षण ठहरकर हमें कुछ याद दिलाने आता है। आंगनों में जलती लोहड़ी की अग्नि, अन्न की साझेदारी, सूर्य का उत्तरायण होना-ये केवल पर्व नहीं, जीवन के संतुलन के संकेत हैं। यह संयोग हमें बताता है कि जीवन में सच्ची शुरूआत कभी हड़बड़ी से नहीं होती, वह हमेशा लय और सजगता से जन्म लेती है। नया साल हमसे तेज दौडने की मांग नहीं करता। वह हमसे सजग होकर मंजिल तक पहुंचने को प्रेरित करता है। लेकिन हर जनवरी के साथ हमारे मन में एक अजीब-सी बेचैनी घर कर जाती है-और बेहतर, और तेज, और अधिक साबित करने की होड़ में हड़बड़ी। लक्ष्य ऊंचे करने, टाइम-टेबल ठूंसने और साल के शुरूआती दिनों में ही उपलब्धियां दिखाने का दबाव। जैसे समय स्वयं हमसे हिसाब मांग रहा हो। जबकि सच्ची शुरूआत कभी दबाव में नहीं होती। वह तब होती है, जब हड़बड़ी की जगह सजगता हो, जब गति से पहले संतुलन बनाया जाए। आज की अधिकांश महत्वाकांक्षाएं प्रेरणा से नहीं, तुलना से जन्म लेती हैं। हम उधार की समय-सीमाओं और परिभाषाओं में सफलता को नापने लगे हैं। ऐसी परिभाषाएं, जो हमारे जीवन के भीतर की ऋतु, लय और सीमा को शायद ही मानती हों। नतीजा यह है कि जनवरी के अंत में ही बहुत से लोग थक चुके होते हैं। यह थकान अनुशासन की कमी नहीं, सुनने व समझने की कमी का परिणाम है। यह असफलता नहीं, असंतुलन है। कर्म समस्या नहीं है। बिना भीतर टिके किया गया कर्म ही कई बार संकट का रूप ले लेता है। सजगता रहित महत्वाकांक्षा शोर बन जाती है। वह आगे तो धकेलती है, पर यह नहीं पूछती कि दिशा सही है या नहीं। सजगता महत्वाकांक्षा को समाप्त नहीं करती, बल्कि उसे शुद्ध करती है। पर्वों में छिपा जीवन-विज्ञान रू भारत के फसल पर्व इसी समय आते हैं-यह संयोग नहीं, संकेत है। ये पर्व हमें बिना उपदेश दिए सिखाते हैं कि जीवन केवल

महत्वाकांक्षा से नहीं, संतुलन से चलता है। अग्नि शुद्ध करती है। भोजन पोषण देता है और संतुलन उपचार करता है। जब हम अग्नि को कृतज्ञता से, भोजन को संयम से और शरीर को लय से सम्मान देते हैं, तो मन स्वतरू स्थिर होने लगता है। ये पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की गहरी समझ हैं। लोहड़ी हमें सिखाती है कि जो पक चुका है, जो भारी हो गया है, उसे छोड़ देना चाहिए। मकर संक्रांति का संदेश है कि रोशनी की ओर मुडना अचानक नहीं, धीरे.धीरे होता है। दोनों मिलकर एक शाश्वत सत्य कहते हैं-विकास कठोर होना जरूरी नहीं। परिवर्तन जल्दबाजी में नहीं होता और सजग प्रगति अंततरू शांति बन जाती है। सजगता को अक्सर जीवन से पलायन समझ लिया जाता है। जबकि सच यह है कि सजगता जीवन से सबसे गहरा संवाद है। अपनी सांस, थकान और इच्छा को बिना जजमैंट देख पाना-यह आत्मिक ईमानदारी है और वही साहस है। आधुनिक विज्ञान भी अब मानता है कि जब कर्म विवशता से नहीं, सजगता से उपजता है, तो मन स्थिर होता है, प्रतिक्रियाएं नरम पड़ती हैं और स्पष्टता जन्म लेती है। सहज शुरूआत धीमी इसलिए नहीं होती कि उसमें ऊर्जा कम है, बल्कि इसलिए कि उसमें दिशा का सम्मान होता है। जब हम नया साल सजगता से शुरू करते हैं, तो सवाल बदल जाते हैं। मैं कितना हासिल कर सकता हूं की जगह क्या आवश्यक है सामने आता है। सहजता कमजोरी नहीं है। वह बिना हिंसा की शक्ति है। आज की थकान शारीरिक से अधिक मानसिक है। कठोर आत्मसंवाद, अवास्तविक अपेक्षाएं और निरंतर स्वयं पर निगरानी-इनमें कोई भी जीवित तंत्र फलता-फूलता नहीं। श्रीमद् भगवत गीता यहां भी करुणा से मार्ग दिखाती है-उद्धरेदात्मनाऽत्मानं अर्थात स्वयं को स्वयं उठाओ, गिराओ मत। जैसे बीज केवल कोमल मिट्टी में फूटता है, वैसे ही भीतर का परिवर्तन सुरक्षा और करुणा में होता है। सफलता की नई परिभाषा रू बर्नआऊट, चिंता और भावनात्मक दूरी व्यक्तिगत असफलता नहीं, सामूहिक संकेत हैं। ये बताते हैं कि हमारी सफलता की मौजूदा परिभाषा मानव स्वभाव से मेल नहीं खा रही। उपस्थिति के बिना उत्पादकता खोखली है। भीतर के आधार के बिना उपलब्धि टिकती नहीं। सजगता को चुनना लक्ष्य छोडना नहीं है। यह लक्ष्य को भय की जगह स्पष्टता से आगे बढने देना है। नववर्ष और लोहड़ी-मकर संक्रांति (उत्तरायण) के इस संगम पर शायद सबसे बड़ा संकल्प यह हो सकता है कि हम समय को जीतने नहीं, समझने की कोशिश करें। बोलने से पहले देखें। तय करने से पहले सुनें। आगे बढ़ें, पर भीतर आक्रामकता के बिना।

डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से होगा, हरमनप्रीत-मंधाना होंगी आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच शुक्रवार को मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के जीत के साथ सत्र की शुरूआत करना चाहेंगी। आइए जानते कि आप ये मुकाबला कब और कहां देख सकेंगे। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरूआत शुक्रवार से हो रही है। टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर मुंबई मजबूत कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है।

सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

थलापति विजय और प्रभास को छोड़ा पीछे; आईएमडीबी ने जारी की सूची

धुरंधर से सुर्खियों में आईं अभिनेत्री सारा अर्जुन की लोकप्रियता दिन पर दिन बढ़ रही है। सारा ने अब लोकप्रियता के मामले में प्रभास और थलापति विजय जैसी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। जानिए क्या है रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फ रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी धुरंधर की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलापति विजय जैसे कई बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है। दूसरे से पहले स्थान पर पहुंचीं सारा आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलपति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस सफलता का श्रेय काफी हद तक 'धुरंधर' को जाता है। आईएमडीबी ने दी जानकारी आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, ह्यइस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची 'पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज' द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है और इसमें विश्व स्तर पर ट्रेंड कर रहे भारतीय सितारों को दिखाया जाता है। अभिनेता, निर्देशक, सिनेमैटोग्राफर, लेखक और अन्य। हमेशा की तरह यह सूची दुनिया भर के 2 करोड़ से अधिक फैंस द्वारा तय की जाती है। थलापति विजय आठवें और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे सारा के अलावा इस सूची में दूसरे नंबर पर धुरंधर के निर्देशक आदित्य धर रहे, जो पिछले हफ्ते तीसरे नंबर पर थे। हफ्ते के अन्य लोकप्रिय स्टार्स की लिस्ट में थलापति विजय आठवें स्थान और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे। इसके अलावा भाग्यश्री बोरसे 15वें, सिबी चक्रवर्ती 16वें, यामी गौतम 17वें, प्रभास 19वें और श्रीराम राघवन 22वें स्थान पर रहे। जबकि तारा सुतारिया 24वें, दिंजित अय्याथन 27वें, निविन 30वें और सिमर भाटिया 42वें स्थान पर रहीं।

द राजा साब के साथ प्रभास की हैट्रिक का तूफान

वायरल लीक ने रिलीज से पहले बनाया जबरदस्त माहौल

भारतीय सिनेमा की चमकदार दुनिया में एक नाम सबसे ऊपर है प्रभास। वे पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं और दुनिया के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक माने जाते हैं। कल, 9 जनवरी 2026 को, उनकी बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह अलग तरह की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ने और प्रभास की विरासत को और मजबूत

करने के लिए तैयार है। प्रभास ऐसे इकलौते भारतीय अभिनेता बन गए हैं जिनकी लगातार तीन फिल्में- सलार पार्ट 1- सीजफायर, कल्कि 2898 एडी और द राजा साब नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग में 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी हैं। यह उनकी जबरदस्त ग्लोबल लोकप्रियता को दिखाता है। हैदराबाद से लेकर हॉलीवुड तक फैंस तेजी से टिकट खरीद रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले का क्रेज तब और बढ़ गया, जब एक बड़े डिस्ट्रीब्यूटर का लीक हुआ ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस ऑडियो में डिस्ट्रीब्यूटर ने प्रभास की जमकर तारीफ की और कहा कि रिबेल स्टार हर तरह की भूमिका में कमाल करते हैं। वे ऐसी कॉमेडी करते हैं कि लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो जाते हैं, हॉरर और डरावने सीन में रोंगटे खड़े कर देते हैं और दमदार एक्शन से हीरोइज्म की नई मिसाल पेश करते हैं। इस लीक के बाद सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है और बाहुबली स्टार की हैट्रिक को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं। प्रभास की मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस के साथ यह फिल्म अब तक की उनकी सबसे अलग और बहुआयामी फिल्म मानी जा रही है, जो परिवार, थ्रिल पसंद करने वालों और एक्शन के शौकीनों- सबको पसंद आएगी। थिएटर हाउसफुल शो के लिए तैयार हैं और प्रभास के फैंस पहले से कहीं ज्यादा उत्साहित हैं। क्या द राजा साब वैसी ही बड़ी ओपनिंग देगी, जैसी उम्मीद की जा रही है? प्रभास के साथकृबिलकुल! कल राजा को देखिए, इतिहास बनने जा रहा है!

दिवंगत एक्टर राजेंद्र कुमार की पत्नी शुक्ला का निधन

इंडस्ट्री में शोक की लहर

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बेहद बुरी खबर सामने आ रही है। दिवंगत दिग्गज एक्टर राजेंद्र कुमार की पत्नी और एक्टर कुमार गौरव की मां अब इस दुनिया में नहीं रही। शुक्ला कुमार का निधन हो गया है। इस बात की पुष्टि कुमार गौरव के

परिवार की ओर से की गई है। उनके निधन की खबर आते ही फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। शुक्ला कुमार के निधन क्यों हुआ, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार, परिवार की ओर शुक्ला कुमार की आत्मा की शांति के लिए 10 जनवरी को प्रेयर मीट रखी गई है, जिसमें इंडस्ट्री के कई जाने-माने चेहरे उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शामिल होंगे। बता दें, बॉलीवुड लीजेंड राजेंद्र कुमार का 12 जुलाई 1991 को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। तब वे 71 साल के थे और अब उनके करीब 35 साल बाद उनकी पत्नी शुक्ला कुमार का भी निधन हो गया है। शुक्ला का नाता सिर्फ सुपरस्टार के परिवार से ही नहीं, बल्कि पूरे फिल्मी जगत से जुड़ा हुआ था। वह फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े नाम रमेश बहल और श्याम बहल की बहन थीं। इस रिश्ते से वे गोल्डी बहल और रवि बहल की बुआ लगती थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्ला कुमार हमेशा लाइमलाइट से दूर रहती थीं, लेकिन परिवार के लिए उनकी भूमिका बेहद खास थी। वह राजेंद्र कुमार के करियर के हर उतार-चढ़ाव में चट्टान की तरह उनके साथ खड़ी रहीं। बता दें, शुक्ला कुमार और राजेंद्र कुमार के तीन बच्चे थे। एक बेटा और दो बेटियां। उनके बेटे कुमार गौरव ने फिल्मों में कदम रखा और अपनी अलग पहचान बनाई। वहीं, उनकी बेटी डिंपल की शादी हॉलीवुड फिल्म प्रोड्यूसर राजू पटेल से हुई जबकि दूसरी बेटी मनोरमा की शादी प्रोड्यूसर ओ.पी. रहलान से हुई।

राहु केतु ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल

नेटिजन्स ने की पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की तारीफ

राहु केतु का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म के मजेदार कॉन्सेप्ट, कॉमिक एनर्जी और खासतौर पर पुलकित सम्राट की परफॉर्मेंस को लेकर नेटिजन्स खुलकर तारीफ कर रहे हैं। ट्विटर (एक्स) से लेकर फैन फोरम्स तक, दर्शक ट्रेलर को एक फ्रेश और फील-गुड एंटरटेनर बता रहे हैं, वहीं पुलकित की नेचुरल चार्म और शानदार कॉमिक टाइमिंग की भी खूब सराहना हो रही है। ट्रेलर सामने आते ही फैंस ने सोशल प्लेटफॉर्म्स पर पॉजिटिव रिएक्शन्स की बाढ़ ला दी है। कई यूजर्स ने पुलकित सम्राट की उस एनर्जी की तारीफ की जो जानी-पहचानी होने के बावजूद फ्रेश लगती है। साथ ही वरुण शर्मा के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दर्शकों ने खास तौर पर सराहा। फन, एंटरटेनिंग और परफेक्ट लाफ राइड जैसे शब्द टाइमलाइन्स पर छाए हुए हैं। वहीं, लाइट-हार्टेड और कॉस्मिक कॉमेडी सेटअप में इस जोड़ी को फिर से साथ देखने को लेकर फैंस बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। एक फैन जहां पुलकित की कॉमेडी को ईमानदार, एफर्टलेस और नेच्युरल कह रहे हैं, वहीं दूसरे फैन का कहना है कि राहु केतु काफी कलरफुल और मजेदार लग रही है, इस फिल्म में पुलकित एकदम कातिलाना लग रहे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा है, आधा मनोरंजन तो पुलकित और वरुण को साथ में देखकर ही मिल जाता है। हम तो उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं। एक और यूजर ने लिखा है, ये मूवी फ्रेंड्स के साथ देखनेवाली लग रही है। स्पेशली पुलकित सम्राट जब कॉमेडी करते हैं, तो नेचुरली हंसी आ जाती है। एक अन्य फैन ने ट्रेलर के वाइब्स को बयां करते हुए लिखा है, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, दो भाई दोनों तबाही। वहीं, एक और ट्वीट में लिखा गया है ये ट्रेलर देखके मूड फ्रेश हो गया। पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा ने कमाल कर दिया।

एस. एस. राजामौली की वाराणसी को मिला दर्शकों का जबरदस्त प्यार, मेकर्स ने शेयर की झलक

एस. एस. राजामौली की आने वाली दमदार एक्शन-एडवेंचर फिल्म वाराणसी, जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे, भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। फिल्म को लेकर उत्साह उस वक्त और बढ़ गया, जब मेकर्स ने रामोजी फिल्म

सिटी में आयोजित एक शानदार ग्लोब ट्रॉटर इवेंट में इसकी पहली झलक दिखाई। इस ग्रैंड रिवील को देखने के लिए 50,000 से ज्यादा फैंस की भारी भीड़ जुटी थी, जिसने इसे भारतीय एंटरटेनमेंट इतिहास की सबसे बड़ी लाइव फैन गैदरिंग्स में से एक ही नहीं, बल्कि देश का अब तक का सबसे बड़ा फिल्म रिवील बना दिया। भारत से बाहर भी वाराणसी ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। फिल्म का पहला ग्लिम्प्स पेरिस के ले ग्रैंड रेक्स में आयोजित ट्रेलर फेस्टिवल में दिखाया गया, जो यूरोप का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक थिएटर माना जाता है, जहां दर्शकों का रिस्पॉन्स जबरदस्त रहा। जैसे ही स्क्रीन पर फुटेज चली, पूरा थिएटर तालियों, सीटियों और उत्साह भरे शोर से गूंज उठा, जिससे माहौल पूरी तरह से जोश से भर गया। बाद में दर्शकों ने अपने रिस्पॉन्स के जरिए फिल्म की जबरदस्त सोच और ग्रैंड विजुअल्स की खुलकर तारीफ की और फ्रांस में इसकी रिलीज देखने की इच्छा जताई। फिल्म का संगीत खास तौर पर लोगों को पसंद आया। साथ ही भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत को कहानी में पिरोने के लिए कई दर्शकों ने एस. एस. राजामौली की सराहना की, और कुछ ने तो उन्हें आज के दौर का शेक्सपीयर तक कह दिया। मेकर्स ने इस खास पल को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा- पेरिस के ऐतिहासिक और यूरोप के सबसे बड़े थिएटर ले ग्रैंड रेक्स में हुए ट्रेलर फेस्टिवल में वाराणसी को दुनिया के सामने दिखाया गया, जहां हॉलीवुड और फ्रेंच फिल्मों के 30 से ज्यादा आने वाले ट्रेलर्स भी शामिल थे। फ्रांस, आप वाकई प्यार हो सच में। इसके अलावा वाराणसी में पृथ्वीराज सुकुमारन का कुंभा वाला पहला लुक और प्रियंका चोपड़ा जोनस का मंदाकिनी वाला जबरदस्त अंदाज पहले ही सामने आ गया है। इससे सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और देशभर में उत्सुकता बढ़ गई है। अब दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि यह ग्रैंड फिल्म 2027 में बड़े पर्दे पर आने वाली है।

रणवीर से टकराएंगे यश, सोशल मीडिया पर भिड़े फैंस; बोले- इसे कच्चा खा जाएगी..

19 मार्च को रणवीर सिंह और टॉक्सिक फेम यश के बीच जबरदस्त टक्कर सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी। लेकिन इससे पहले ही इन दोनों के फैंस आपस में सोशल मीडिया पर भिड़ चुके हैं। जानिए, क्या है इसका कारण? गुरुवार को साउथ सुपरस्टार यश का फर्स्ट लुक फिल्म टॉक्सिक से सामने आया। एक्टर का अंदाज देखकर उनके फैंस एक्साइटेड नजर आए। वहीं सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह और यश के फैंस आपस में भिड़ गए। दरअसल, 19 मार्च को रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 रिलीज होगी, वहीं इस दिन यश की टॉक्सिक भी सिनेमाघरों में आएगी। कौन बॉक्स ऑफिस का किंग बनेगा, यह तो फिल्म रिलीज के बाद पता चलेगा। लेकिन इससे पहले ही रणवीर और यश के फैंस एक-दूसरे के पसंदीदा एक्टर, उनकी फिल्मों पर निशाना साध रहे हैं। जानिए, क्या हैं फैंस के रिएक्शन? धुरंधर 2 और टॉक्सिक पर फैंस ने दिए अलग-अलग रिएक्शन यश की फिल्म टॉक्सिक में उनका लुक, एक्शन देखकर फैंस दीवाने हो चुके हैं। लेकिन वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि टॉक्सिक सिनेमाघरों में धुरंधर का मुकाबला नहीं कर पाएगी। एक यूजर ने लिखा, टॉक्सिक के पास धुरंधर के सामने टिकने का कोई चांस नहीं है। धुरंधर 2 इसे कच्चा खा जाएगी। डर जाओ। कोई धुरंधर 2 का दीवाना नजर आया तो किसी यूजर ने टॉक्सिक को बॉक्स ऑफिस का किंग बता दिया। एक अन्य यूजर ने लिखा, टॉक्सिक, वो तूफान जो राज करेगा। यश का किलर लुक, बेरहम अंदाज बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 को खा जाएगा। टॉक्सिक मुकाबला करने नहीं आ रही, यह राज करने आ रही है। यश ट्रेंड्स को फॉलो नहीं करते, वह खुद एक स्टैंडर्ड सेट करते हैं। कुछ फैंस तो मानकर चल रहे हैं कि टॉक्सिक और यश ही फिल्म धुरंधर 2 को टक्कर दे सकते हैं। एक फैंस ने कमेंट करते हुए लिखा, यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर क्रेज अलग ही लेवल पर है। यह धुरंधर 2 को टक्कर देने और हराने के लिए काफी मजबूत फिल्म है। केजीएफ के तूफान के बाद यश उसी दीवानगी को फिर से लाने के लिए तैयार हैं। उनकी फिल्म टॉक्सिक के बज और यश की जबरदस्त फैन फॉलोइंग को देखते हुए, धुरंधर 2 जरूर पोस्टपोन होगी। क्योंकि यश के साथ मुकाबला करना कभी आसान नहीं होता। इस बात से कई फैंस सहमत नजर आए।

इंग्लैंड ने विदाई मैच में ऑस्ट्रेलिया के ख्वाजा को दिया सम्मान, गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर किया स्वागत

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेला। इस दौरान इंग्लैंड के क्रिकेटरों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के दौरान अपना विदाई मैच खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को बड़ा सम्मान दिया। इंग्लैंड टीम के इस व्यवहार की काफी प्रशंसा हो रही है और सभी लोग उनकी सराहना कर रहे हैं। पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन जैसे ही ख्वाजा बल्लेबाजी के लिए उतरे, इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया और तालियां बजाकर ख्वाजा को सम्मान दिया। स्टीव स्मिथ के आउट होने के बाद ख्वाजा मैदान पर उतरे। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उनकी आखिरी पारी रही। ख्वाजा भी खुद को मिले इस सम्मान से अभिभूत हुए और उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया। ख्वाजा ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि सिडनी टेस्ट उनके करियर का आखिरी मैच होगा। हालांकि, अपने विदाई टेस्ट मैच में ख्वाजा बड़ी पारी नहीं खेल सके और छह रन बनाकर आउट हुए। आउट होने के बाद जब ख्वाजा पवेलियन की ओर बढ़ रहे थे तो उन्होंने ग्राउंड को चूमा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया।

यमन संकट पर खाड़ी देशों में दरार

सऊदी अरब ने यूएई पर अलगाववादी नेता को भगाने का लगाया आरोप

दुबई (एजेंसी)। सऊदी अरब ने संयुक्त अरब अमीरात पर यमन के अलगाववादी नेता ऐदरूस अल-जुबैदी को भगाने का आरोप लगाया है। रियाद का दावा है कि देशद्रोह के आरोपी नेता को सोमालिया के रास्ते अबू धाबी ले जाया गया। इस घटना ने दोनों खाड़ी देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ा दिया है। सऊदी अरब ने गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने यमन के एक अलगाववादी नेता को देश से बाहर निकालने में मदद की है। सऊदी अधिकारियों का दावा है कि देशद्रोह के आरोप में वांछित इस नेता को तस्करी के जरिये अबू धाबी ले जाया गया है। इस दावे पर यूएई की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसने अरब प्रायद्वीप के इन दो पड़ोसी देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यमन में वर्षों से चल रहे युद्ध में उनकी साझेदारी खत्म हो रही है। सऊदी सेना ने लगाया आरोप सऊदी सेना के एक बयान में दावा किया गया कि सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल के नेता ऐदरूस अल-जुबैदी नाव से यमन से सोमालिया भाग गए। इसके बाद यूएई के अधिकारियों ने अल-जुबैदी को अमीरात की राजधानी अबू धाबी पहुंचाया। सेना ने यूएई के एक मेजर जनरल का नाम लिया, जो अल-जुबैदी के कथित भागने में शामिल थे। साथ ही उन्होंने उसका कोडनेम भी बताया, जो खाड़ी अरब देशों के आपसी रिश्तों की दुनिया में बहुत ही असामान्य बात है। इसमें यह भी बताया गया कि इस ऑपरेशन में इस्तेमाल किया गया इल्यूशिन क'-76 विमान पहले इथियोपिया, लीबिया और सोमालिया जैसे संघर्ष वाले इलाकों में इस्तेमाल किया गया था। ये वही रास्ते हैं जिन पर पहले अमीराती सेना पर हथियार तस्करी का आरोप लगा है। एसटीसी ने क्या कहा? हालांकि यूएई ने हमेशा इन आरोपों का खंडन किया है। इस मामले पर यूएई की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एसटीसी ने भी तुरंत इस आरोप को स्वीकार नहीं किया। बुधवार को एसटीसी ने कहा कि अल-जुबैदी अदन में ही थे, जहां ईरान समर्थित हाउथी विद्रोहियों के खिलाफ गठबंधन वाली सेनाएं इकट्ठा थीं। ये सेनाएं तब से वहां हैं जब से विद्रोहियों ने यमन की राजधानी सना पर कब्जा किया था। सऊदी मीडिया ने छेड़ा अभियान उधर, सऊदी मीडिया ने इस घटना को लेकर एक व्यापक अभियान छेड़ दिया है। सऊदी समाचार चैनल 'अल अरबिया' ने कुछ फोन रिकॉर्डिंग प्रसारित कीं, जिनमें अल-जुबैदी के भागने की योजना का खुलासा करने का दावा किया गया। वहीं, सऊदी अरब के प्रमुख अंग्रेजी अखबार 'अरब न्यूज' ने पुराने पश्चिमी शैली के पोस्टर की तरह पहले पन्ने पर अल-जुबैदी की तस्वीर के साथ वांछित (वांटेड) शीर्षक छापा।

जस्टिस यशवंत वर्मा केस में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, अदालत ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार आरोपों की जांच के लिए गठित संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम कदम उठाते हुए संसदीय जांच समिति की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले को लेकर न्यायपालिका और संसद के अधिकार क्षेत्र को लेकर गंभीर संवैधानिक सवाल खड़े हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ? जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एस.सी. शर्मा की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी कि पूरी

प्रक्रिया कानून के खिलाफ है। वहीं, केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने समिति के गठन को संवैधानिक ठहराया और कहा कि दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद संयुक्त जांच समिति बन सकती है। क्या है मामला? जस्टिस यशवंत वर्मा ने लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित उस संसदीय जांच समिति को असंवैधानिक बताया है, जो उनके खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही है। उनका तर्क है कि न्यायाधीश जांच अधिनियम, 1968 के तहत केवल लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ही मिलकर इस तरह की कार्रवाई शुरू कर सकते हैं। जांच की पृष्ठभूमि मार्च 2025 में नई दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से जले हुए नोट मिलने के बाद मामला तूल पकड़ गया था। इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया। तत्कालीन चीफ जस्टिस ने इन-हाउस जांच कराई, जिसमें जस्टिस वर्मा को दुराचार का दोषी पाया गया। रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई, जिससे महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हुई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अगस्त 2025 में बहुदलीय प्रस्ताव स्वीकार कर तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई।

वेनेजुएला-अमेरिका रिश्तों पर 'अद्वितीय धब्बा'

रोड्रिगेज ने वैश्विक आर्थिक जुड़ाव का दिया संदेश

कारकास (एजेंसी)। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के साथ संबंधों पर 'अद्वितीय धब्बा' बताया और वैश्विक आर्थिक सहयोग बढ़ाने की योजना की घोषणा की। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि अमेरिका के साथ देश के संबंधों पर अब तक का 'अद्वितीय धब्बा' लग चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि बावजूद इसके, वेनेजुएला वैश्विक स्तर पर अपनी आर्थिक रणनीति को विविधता देने और बड़े बाजारों से सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। अमेरिका के बहिष्कार पर प्रतिक्रिया स्टेट टेलीविजन श्ळश पर लाइव संबोधन में रोड्रिगेज ने कहा

कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ 'बहिष्कार नीति' अपनाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंध असामान्य या असंगत नहीं हैं। उनके अनुसार, वेनेजुएला के निर्यात का 71% आठ देशों में जाता है, जिनमें से 25% अमेरिका को है। रोड्रिगेज ने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों को वैश्विक बाजारों में हिस्सेदारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि वेनेजुएला में उत्पादों को देश का राजदूत बनाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक-आर्थिक अधिकारों पर नया कानून लाने, मूल्य निर्धारण और ऊर्जा उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सुधार करने की योजना बताई। ऊर्जा और संसाधन पर जोर डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि नारकोटिक्स के आरोप केवल बहाना थे और असली मकसद संसाधनों पर कब्जा करना था। उन्होंने अमेरिका सहित सभी देशों के साथ ऐसे ऊर्जा समझौतों की ओर खुलेपन की बात कही, जिससे सभी पक्षों को लाभ हो। उन्होंने राजनीतिक ध्रुवीकरण के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि सभी राजनीतिक ताकतों को एकजुट होकर देश की शांति और विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चरमपंथ और अतिवादी विचारधाराएँ देश के लिए खतरनाक हैं और इसलिए शांति और राष्ट्रीय सह-अस्तित्व के लिए कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। संसदीय सुधार और कानून वेनेजुएला की नेशनल असेंबली ने नए विधान सत्र की शुरूआत की और छह प्राथमिक क्षेत्रों को निर्धारित किया, जिनमें शांति, आर्थिक विकास, नागरिक सुरक्षा और नए आर्थिक मॉडल शामिल हैं। संसद नए कानूनों को आठ प्रमुख कानूनी कोड में संकलित करने की योजना बना रही है, जिनमें सिविल, वाणिज्यिक, पर्यावरणीय और चुनावी कोड शामिल हैं। कुछ घंटे पहले, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला अपनी नई तेल व्यवस्था से प्राप्त आय से केवल अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा। रोड्रिगेज ने हालांकि यह स्पष्ट किया कि वेनेजुएला का दृष्टिकोण संपूर्ण सहयोग और पारस्परिक लाभ पर आधारित है।

यमन संकट के बीच सुरक्षित भारत लौटी भारतीय युवती, सोकोत्रा द्वीप से रक्की गोपाल का सफल रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में बढ़ते संघर्ष के बीच सोकोत्रा द्वीप पर फंसी भारतीय नागरिक को सुरक्षित निकाला गया। भारतीय मिशन की मदद से जेद्दा होते हुए रक्की किशन गोपाल की भारत वापसी संभव हो पाई। यमन में बढ़ते राजनीतिक और सैन्य तनाव के बीच एक राहत भरी खबर सामने आई है। सोकोत्रा द्वीप पर पिछले कई हफ्तों से फंसी भारतीय नागरिक रक्की किशन गोपाल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और वे सकुशल भारत

लौट आई हैं। यमन स्थित भारतीय मिशन ने जानकारी दी कि 7 जनवरी को एक विशेष यमनिया एयरलाइंस की उड़ान के जरिए उन्हें सोकोत्रा से सऊदी अरब के जेद्दा लाया गया। वहां भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव किया और इसके बाद उनकी भारत वापसी सुनिश्चित की गई। संघर्ष की वजह से फंसे थे लोग दरअसल, यमन के कई हिस्सों में हाल के दिनों में हालात बेहद खराब हो गए हैं। सऊदी अरब समर्थित सरकारी बलों और यूएई समर्थित सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इसी वजह से हवाई सेवाएं बाधित हुईं और सैकड़ों विदेशी नागरिक, खासकर पर्यटक, सोकोत्रा द्वीप पर फंस गए। भारत की त्वरित कूटनीतिक कार्रवाई भारतीय मिशन की यह कार्रवाई एक बार फिर यह दिखाती है कि संकट के समय भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्रालय और दूतावासों के समन्वय से समय रहते रेस्क्यू संभव हो पाया। यमन में हालात अभी भी नाजुक यमन में सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय तनाव और अलगाववादी आंदोलनों के चलते स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। ऐसे में वहां मौजूद विदेशी नागरिकों के लिए जोखिम बरकरार है।

अमेरिकी ऑपरेशन में मारे गए वेनेजुएला के सैनिकों को भावपूर्ण विदाई, सात दिन का शोक घोषित

कारकास (एजेंसी)। वेनेजुएला में अमेरिकी ऑपरेशन में मारे गए सैनिकों के लिए राजधानी कारकास में सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। देश ने 7 दिन का शोक घोषित किया है। वेनेजुएला की सेना ने बुधवार को राजधानी

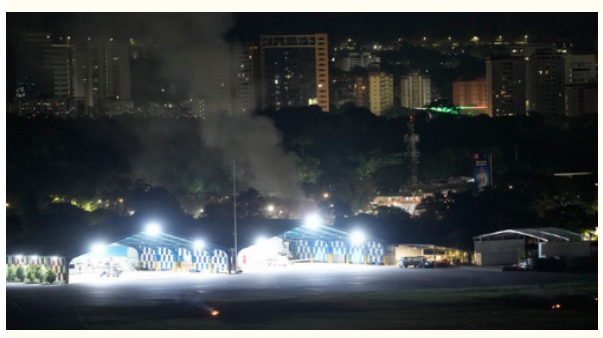

कारकास में उन सैनिकों के लिए एक भावपूर्ण अंतिम संस्कार आयोजित किया, जो हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में मारे गए थे। इस अभियान में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को कब्जे में लिया गया था, जिसके बाद देश में गहरा शोक और तनाव फैल गया है। सैनिक ऑर्केस्ट्रा की धुन के बीच शहीद सैनिकों के डंडे पर लेटे ताबूतों को वेनेजुएला का झंडा ढकता दिखाई दिया। परिवारों और सैनिकों ने उन शवों के पीछे चलकर आखिरी विदाई दी। कई अधिकारियों के बीच ताबूतों को जमीन में समर्पित करते समय गन सैल्यूट भी दिया गया। वेनेजुएला की सेना ने कहा है कि कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी इस ऑपरेशन में मारे गए, जिनमें कई उच्च रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। वहीं, क्यूबा ने भी पुष्टि की है कि 32 क्यूबाई सैन्य और पुलिस कर्मी जो वेनेजुएला में तैनात थे, उनकी भी मौत हुई। इस फैसले के बाद क्यूबा में भी दो दिनों का शोक मनाया गया। सात दिन का शोक घोषित शहीदों के सम्मान में कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने सात दिन का शोक घोषित किया है। उन्होंने कहा कि देश इन वीरों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहेगा।

गोलीबारी में हुई महिला की मौत पर बोले जेडी वेंस- 'यह महिला की अपनी गलती थी' प्रशासन आईसीई के साथ

वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस में पुलिस कार्रवाई में मारी गई महिला की मौत के लिए उसी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आईसीई अधिकारियों का बचाव करते हुए कहा कि प्रशासन उनके साथ है। जेडी वेंस के इस बयान से शहर में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस में अप्रवासन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) एजेंट की गोली से हुई 37 वर्षीय रेनी निकोल गुड की मौत को उसकी स्वयं की गलती का परिणाम बताया है। बुधवार को वेंस ने आईसीई अधिकारियों का समर्थन करते हुए साफ किया कि प्रशासन पर होने वाले हमले उन्हें कानून लागू करने से नहीं रोक पाएंगे। क्या बोले जेडी वेंस? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वेंस ने लिखा, मैं हर आईसीई अधिकारी को बताना चाहता हूं कि राष्ट्रपति और पूरा प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने अधिकारियों की निजी जानकारी लीक करने और उन्हें धमकाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी हरकतों से कानून लागू करने का उनका इरादा और मजबूत होगा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि भले ही यह एक त्रासदी है, लेकिन इसे उस महिला ने खुद ही पैदा किया था। इलाके में बढ़ा तनाव मामले में रेनी निकोल गुड और एक आईसी एजेंट के बीच हुई झड़प के दौरान हुई गोलीबारी में गुड की मौत हो गई, जिसके बाद से मिनियापोलिस

में व्यापक आक्रोश और शोक के माहौल है। इस बीच जेडी वेंस की इन टिप्पणियों ने शहर में तनाव को और बढ़ा दिया है। घटना को लेकर मिनेसोटा की सीनेटर टीना स्मिथ ने पुष्टि की है कि मारी गई महिला, रेनी निकोल गुड, एक अमेरिकी नागरिक थी। वहीं, लेफ्टिनेंट गवर्नर पेगी फ्लैनगन के मुताबिक, गुड छह साल के एक बच्चे की मां थी। क्या बोले स्थानीय नेता? मामले में होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने आरोप लगाया कि गुड दिन भर अधिकारियों का पीछा कर रही थी और उनके काम में बाधा डाल रही थी। उसने गाड़ी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर एजेंट को कुचलने की कोशिश की। नोएम के अनुसार, अधिकारी ने अपनी और साथियों की जान बचाने के लिए गोली चलाई। दूसरी ओर, मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे ने कहा कि यह स्थिति गणतंत्र की सहनशीलता की परीक्षा ले रही है। पुलिस प्रमुख ब्रायन ओ'हारा ने भी माना कि शहर का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है और पुलिस विभाग पूरी रात मुस्तैद रहेगा। वहीं गवर्नर टिम वाल्ज ने जरूरत पड़ने पर नेशनल गार्ड तैनात करने की बात कही है। स्कूल और गतिविधियां बंद शहर में सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए मिनियापोलिस के पब्लिक स्कूलों को हफ्ते के बाकी दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। जिले की वेबसाइट पर जारी नोटिस के अनुसार, एहतियात के तौर पर 8 और 9 जनवरी को स्कूल बंद रहेंगे और खेलकूद सहित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। स्कूल अब सोमवार, 12 जनवरी को खुलेंगे।

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च की पार्किंग में गोलीबारी, दो लोगों की मौत

कई घायल, हमलावर फरार

साल्ट लेक सिटी (एजेंसी)। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में बीते

साल गोलीबारी की कुल घटनाएं 425 दर्ज हुईं। इन घटनाओं में करीब 420 लोग मारे गए और 1,898 घायल हुए। यह संख्या पिछले कुछ वर्षों की तुलना में कम या स्थिर रही है। कहा जा सकता है कि 2025 में हालिया वर्षों के मुकाबले गोलीबारी की घटनाओं में कमी आई है। अमेरिका के यूटा की साल्ट लेक सिटी में एक चर्च के बाहर हुई गोलीबारी में बुधवार को दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। गोलीबारी की घटना द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (जिसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च के नाम से जाना जाता है) के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। जानकारी के अनुसार जिस समय यह गोलीबारी की घटना हुई, उस समय अंदर एक अंतिम संस्कार हो रहा था। एपी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हमलावर का किसी विशेष धर्म के प्रति कोई द्वेष था। साल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने कहा कि हमारा मानना है कि यह किसी धर्म या इस तरह की किसी भी चीज के खिलाफ लक्षित हमला नहीं था। पुलिस का मानना है कि गोलीबारी आकस्मिक नहीं थी। ब्रेनन मैकइंटायर ने बताया कि वह और उनकी पत्नी केन्ना पार्किंग स्थल के बगल में स्थित अपने अपार्टमेंट में टीवी देख रहे थे, तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। वह सोफे से कूदकर बाहर भागे ताकि पता चल सके कि क्या हुआ है। मैकइंटायर ने कहा, 'जैसे ही मैं वहां पहुंचा, मैंने देखा कि कोई जमीन पर पड़ा है। लोग उसको देख रहे हैं और रो रहे हैं और आपस में बहस कर रहे हैं।'

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना
खुली निविदा नोटिस का प्रथम संशोधन

खुली निविदा सूचना सं. टीआरडी–20 सीनि०डी०ई०ई०– लखनऊ –25 दिनांकः 31.12.2025 में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं:

1.	ई निविदा सूचना संख्या	टीआरडी–20–सीनि० डी०ई०ई०– लखनऊ–25
2.	कार्य का नाम	फाफामऊ स्टेशन पर लाइन संख्या 4 और 5 के दोनों सिरों पर ट्रैक और टर्न आउट में गड़बड़ी को ठीक करने के कारण ओएचई का संशोधन कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रू. 47,13,101.91
4.	बयाना राशि	रू. 94,300.00/-
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
6.	निविदा फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 30.01.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद।
7.	प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।
9.	पत्रता मापदण्ड	निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करताः निविदाकर्ता अपने ऑफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के वैध लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोटः इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।
सं०: टीआरडी–20–सीनि०डी०ई०ई०–लखनऊ–25 दिनाँक 31.12.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 79/26

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्यो के लिए ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती हैं।
क्र.स. 1:– निविदा सं०: वमंविइं–टीआरडी–लजं–ओटी–186, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में विभिन्न इंजीनियरिंग सीटीआर, टीबीआर, टीआरआर, टीएफआर, एफएससीएमएस+टीडब्ल्यूएस+, एसईजेग्लूड ज्वाइंट नवीकरण और/को (ओ एंड आर) डीएफडब्ल्यू हटाने के लखनऊ मंडल में बांड का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 1,60,66,166.99, बयाना राशिः ₹ 2,30,300.00, निविदा मूल्य–0.00, कार्य सम्पादन की अवधि–12 माह। ई–निविदा बन्द होने की तिथि व समयः 10.02.2026 व 15.00 बजे, ई–निविदा खुलने की तिथि व समयः 10.02.2026 व 15.30 बजे।
नोट– 1. इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। 2. विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की बेवसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें।
वरि0मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, मुजाधि/विद्युत–243 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।